सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
You Tube

RNI No :- DELHI/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 27, नई दिल्ली । मंगलवार, 09 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

लड़ाई लड़ने वाला तो विजय प्राप्त करता है परंतु दूर से देखने वाला तो सिर्फ तालियां बजाता रह जाता है।

03 'अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव जीत के आइये', LG पर भड़के सौरभ भारद्वाज
06 विकसित भारत की दरकार है खुशहाली
08 आदिविश्वेश्वर, उच्चतम न्यायालय के आदेश पर फिर से हिन्दू भक्तो के लिए खुला

वर्ल्ड क्लास बनने जा रहे आनंद विहार और सराय काले खां बस टर्मिनल्स, देखें क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

इसमें यात्रियों के लिए ट्रैवेलर्स, पर्यावरण-अनुकूल रास्ते, फूड कोर्ट, क्लॉकरूम और कॉमन वेटिंग एरिया जैसी गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं शामिल होंगी। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक, इंडीग्रेटेड जोनल प्लान को डीडीए की मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

संजय बाटला

नई दिल्ली : दिल्ली में आनंद विहार और सराय काले खां में अंतरराज्यीय बस टर्मिनलों की सूरत बिल्कुल बदलने वाली है। दिल्ली सरकार इन दोनों टर्मिनल का रेनोवेशन करने के लिए तैयार है। इन्हें मल्टीमॉडल हब के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए प्रारंभिक डिजाइन तैयार है। इसमें यात्रियों के लिए ट्रैवेलर्स, पर्यावरण-अनुकूल रास्ते, फूड कोर्ट, क्लॉकरूम और कॉमन वेटिंग एरिया जैसी गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं शामिल होंगी। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक, इंडीग्रेटेड जोनल प्लान को डीडीए की मंजूरी के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लोगों को मिलेंगी ये सुविधाएं

रिडेवलपमेंट एक ट्रांजिट ओरिएंटेड, मिक्स लैंड यूज डेवलपमेंट की अवधारणा से जुड़ा है। इसका उद्देश्य ट्रांसपोर्ट सेंटर के आसपास कमर्शियल, कल्चरल, ऑफिस, मनोरंजन और रिहायशी एरिया को एकीकृत करना है। इसका मतलब है एक ही स्थान के भीतर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, बैंक्वेट सुविधाएं, बजट होटल, रेस्तरां और कैफे, ऑफिस जैसी सुविधाएं होंगी। शुरुआती प्लानिंग में, दो आईएसबीटी पर नई बिल्डिंग छह मंजिलों तक फैली होंगी। जिसमें सबसे ऊपरी स्तर को व्यूइंग डेक के रूप में डिजाइन किया जाएगा। बेसमेंट में पार्किंग और आईएसबीटी के अराइवल सेक्शन की सुविधा होगी, जबकि ग्राउंड फ्लोर पर एक पैसेंजर लाउंज की सुविधा होगी। पहली तीन मंजिलें डिपार्चर क्षेत्रों के लिए समर्पित होंगी। उनके ऊपर चार्जिंग बे और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट स्थित होंगे। इसके अतिरिक्त, टिकट एटीएम की शुरुआत से यात्रियों के लिए टिकटिंग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है। अन्य सुविधाओं में एक शॉपिंग एरिया, क्लॉकरूम, फूड कोर्ट और टॉयलेट होंगे।

भविष्य के ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट के लिए मॉडल

इस मॉडर्नाइजेशन का एक प्रमुख पहलू मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन है। यह रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (RRTS), दिल्ली मेट्रो और रेलवे के स्टेशनों के एंट्री गेटों को जोड़ेगा। आनंद विहार और सराय काले खां दोनों टर्मिनल में आरआरटीएस स्टेशन बनने की तैयारी है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि

इसलिए, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन सहित अन्य एजेंसियों का सहयोग महत्वपूर्ण है। डीएमआरसी ने इस परियोजना के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट की भूमिका निभाई है, जबकि अर्न्स्ट एंड यंग को ट्रांजेक्शन एडवाइजर के रूप में चुना गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट दिल्ली ट्रांसपोर्ट के बुनियादी ढांचे में सुधार लाने, इसे जनता के लिए अधिक कुशल और यूजर के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद है कि मॉर्डनाइज्ड आईएसबीटी पूरे भारत में भविष्य की ट्रांसपोर्ट परियोजनाओं के लिए मॉडल के रूप में काम करेंगे। अपने पहले बजट में, राज्य सरकार ने इन दोनों आईएसबीटी को हवाई अड्डे जैसी सुविधाओं के साथ बढ़ाने की योजना की घोषणा की थी। अधिकारी ने कहा कि विचार यह है कि जगह का अधिकतम उपयोग किया जाए ताकि सरकार को जमीन पर खर्च न करना पड़े। साथ ही क्षेत्र में आने वाले लोगों को वर्ल्ड क्लास एक्सपीरियंस भी मिले।

दोनों ट्रांसपोर्ट जंक्शन क्यों हैं महत्वपूर्ण

दोनों ट्रांसपोर्ट जंक्शन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं। छह ट्रांसपोर्ट सेवाएं आनंद विहार में स्थित हैं। इसमें स्वामी विवेकानंद आईएसबीटी, सिटी बस स्टैंड, कौशांबी में उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम बस स्टैंड, आनंद विहार रेलवे स्टेशन, आगामी आरआरटीएस स्टेशन और दिल्ली मेट्रो के पिंक और ब्लू का एक इंटरचेंज शामिल है। सराय काले खां में इसी तरह हजरत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन, पिंक लाइन मेट्रो स्टेशन, वीर हकीकत राय आईएसबीटी, आगामी आरआरटीएस स्टेशन, लोकल बस स्टैंड और क्षेत्र से गुजरने वाली व्यस्त रिंग रोड है।

दिल्ली मैट्रो कस्टमर्स राय पर 5 मई तक करेगी सर्वे

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन 28 दिन यानि 8 अप्रैल से 5 मई तक मैट्रो कस्टमर्स की ओपिनियन इसकी सर्विस को लेकर सर्वे कर रही है। मैट्रो कस्टमर्स सर्विस पर अपनी खुली राय www.delhimetrorail.com वैबसाइट पर जाकर दर्ज करवा सकते है। यह सर्वे लंदन का द ट्रांसपोर्ट स्ट्रेटेजी सेंटर मेनेज करता है। यह 11वां सर्वे है। इस सर्वे का उद्देश्य मैट्रो परिचालन को लेकर यात्रियों की प्रतिक्रया जानना है। मैट्रो में रोज-रोज की फूहड अश्लील विडिओ वायरल के खिलाफ सर्वे में यात्रियों से फीडबैक ,सलाह, भी ली जाती है। ताकि इसके मुताबिक मैट्रो अपनी सर्विस में सुधार कर सके। दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन के मुताबिक यात्री इस सर्वे में आनलाइन हिस्सा ले सकते है। यात्री अपनी अपनी राय हिंदी /इंग्लिश दोनो भाषा में दे सकते है।

ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष का साझा प्रयास:- सड़क सुरक्षा और जाम मुक्त सड़के

परिवहन विशेष न्यूज

(हर एक व्यक्ति की जान कीमती है इसे बचवाने के हमारे संकल्प में सहयोगी बनें)

राजा मुकुट पहनते हैं, महापुरूष हेलमेट पहनते हैं

राघवेंद्र, जिन्हें भारत के हेलमेट मैन के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय सवारों को हेलमेट न पहनने के कारण होने वाली मौतों और सिर की चोटों से बचाने के मिशन पर हैं। सड़क सुरक्षा के प्रति उनका जुनून तब शुरू हुआ जब उन्होंने हेलमेट न पहनने के कारण मोटरसाइकिल दुर्घटना में अपने एक दोस्त को खो दिया। राघवेंद्र ने अपने गृहनगर में सवारों को हेलमेट वितरित करके अपना अभियान शुरू किया। उन्हें जल्द ही एहसास हुआ कि सवारों द्वारा हेलमेट न पहनने की समस्या व्यापक है और इससे बड़े पैमाने पर निपटने की जरूरत है। उन्होंने मेगा जागरूकता अभियानों के साथ सभी सवारों के लिए हेलमेट को सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से 'हेलमेट मैन फाउंडेशन' नामक एक संगठन की स्थापना की। अपने संगठन के माध्यम से, राघवेंद्र पूरे भारत में सवारों को हेलमेट वितरित कर रहे हैं। वह विभिन्न अभियानों और पहलों के माध्यम से हेलमेट पहनने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी काम कर रहे हैं। उनके प्रयासों को सरकार द्वारा मान्यता दी गई है, उन्हें सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनके काम के लिए श्री नितिन गडकरी द्वारा पुरस्कार और प्रशंसा मिली है। राघवेंद्र का अभियान चुनौतियों से रहित नहीं रहा है। उन्हें उन सवारों के विरोध का सामना करना पड़ा है जो हेलमेट पहनने की आवश्यकता नहीं समझते हैं, साथ ही उन निर्माताओं से भी जो घटिया हेलमेट का उत्पादन करते हैं। हालाँकि, वह अपने मिशन के प्रति प्रतिबद्ध हैं और हेलमेट को हर सवार के गियर का हिस्सा बनाने की दिशा में काम करना जारी रखते हैं। राघवेंद्र के काम का प्रभाव काफी महत्वपूर्ण रहा है. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिन राज्यों में राघवेंद्र का अभियान लागू किया गया है, वहां मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों की संख्या में 20% की कमी आई है। यह उनके प्रयासों की प्रभावशीलता और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के महत्व का प्रमाण है। राघवेंद्र का काम उन सभी के लिए प्रेरणा है जो समाज में सकारात्मक प्रभाव डालने के बारे में भावुक हैं। उन्होंने दिखाया है कि समर्पण और दृढ़ता के साथ, एक व्यक्ति महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है और अनगिनत जिंदगियां बचा सकता है। वह वास्तव में इस कहावत को चरितार्थ करते हैं, ₹राजा मुकुट पहनते हैं, दिग्गज हेलमेट पहनते हैं।₹ वाक्यांश ₹राजा मुकुट पहनते हैं, किंवदंतियाँ हेलमेट पहनते हैं₹ मोटरसाइकिल सवारों के लिए सुरक्षा गियर, विशेष रूप से हेलमेट के महत्व पर प्रकाश डालता है। जबकि राजा अपनी शाही स्थिति के प्रतीक के रूप में मुकुट पहनते थे, वे युद्ध के दौरान सुरक्षा के लिए हेलमेट भी पहनते थे। मध्ययुगीन काल में, राजा युद्ध में अपनी सेनाओं का नेतृत्व करते थे और अपने सिर को तलवार और तीर जैसे हथियारों से बचाने के लिए धातु से बने हेलमेट पहनते थे। इन हेलमेटों को अक्सर विस्तृत रूप से सजाया जाता था और कीमती रत्नों और धातुओं से सजाया जाता था, जो राजा के धन और शक्ति का प्रतीक थे। आज भी, हेलमेट सवारों के लिए सुरक्षा गियर का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है, क्योंकि यह दुर्घटनाओं के दौरान सिर को आघात से बचाता है। दरअसल, हेलमेट पहनने से सिर में चोट लगने का खतरा 70% तक और मौत का खतरा 40% तक कम हो सकता है। जिस तरह

राजा युद्ध में खुद को बचाने के लिए हेलमेट पहनते थे, उसी तरह मोटरसाइकिल सवार सड़क पर खुद को बचाने के लिए हेलमेट पहनते हैं। किसी दुर्घटना की स्थिति में सिर की चोटों को रोकने के लिए हेलमेट सबसे प्रभावी तरीका है और कई देशों में इसका उपयोग अनिवार्य है। **संक्षेप में, वाक्यांश "राजा मुकुट पहनते हैं, महापुरूष हेलमेट पहनते हैं" मोटरसाइकिल सवारों के लिए सुरक्षा गियर, विशेष रूप से हेलमेट के महत्व पर जोर देता है। जहां राजा युद्ध के दौरान सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनते थे, वहीं सवार सड़क पर खुद को बचाने और सिर की चोटों से बचने के लिए हेलमेट पहनते थे।**

सड़क सुरक्षा आंदोलन के लिए युवाओं को संगठित करना....

सभी के लिए सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने की अपनी खोज में, हम सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाने के लिए आप, हमारे देश के जीवंत और ऊर्जावान युवाओं तक पहुंच रहे हैं। हमारी सड़कों की सुरक्षा और बहुमूल्य जीवन की रक्षा के लिए आपका स्वैच्छिक समर्थन सर्वोपरि है। हमारे समाज की रीढ़ के रूप में, आपके पास हमारी सड़कों पर मौजूद समस्याओं के बारे में अद्वितीय अंतर्दृष्टि है। आपका स्थानीय ज्ञान और जुनून आपको न केवल इन मुद्दों का विश्लेषण करने बल्कि प्रभावी समाधान निकालने में भी सर्वश्रेष्ठ बनाता है। हम आपको स्थानीय पहलों के लिए मुखर समर्थक बनने और अपने समुदायों में सड़क सुरक्षा के मुद्दे का समर्थन करने के लिए आमंत्रित करते हैं। अपने सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, हम एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा कर सकते हैं। हम आपको हस्तक्षेप से पहले और बाद में स्नैपशॉट और रिपोर्ट साझा करते हुए हमारी पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आपका योगदान राष्ट्रव्यापी आंदोलन के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा और दूसरों को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करेगा। यदि आपके पास कोई पूछताछ हो या विशिष्ट जानकारी की आवश्यकता हो, तो हमसे संपर्क करने में संकोच न करें। अपने अवलोकनों और अंतर्दृष्टि के माध्यम से सामूहिक प्रयास में योगदान करते हुए, हमारे नागरिक सड़क सुरक्षा रिपोर्टर कार्यक्रम का हिस्सा बनें। आपकी सहभागिता हमारी सड़कों पर सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक है। इसके अलावा, हम उन सभी स्वयंसेवकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने उदारतापूर्वक अपने अनुभव और प्रतिक्रिया हमारे साथ साझा की है। भारत को दुर्घटना-मुक्त बनाने के हमारे मिशन में आपका समर्पण और प्रतिबद्धता अमूल्य संपत्ति है। आइए, हम सब मिलकर सुरक्षित सड़कों और उज्ज्वल भविष्य की ओर मार्ग प्रशस्त करें।

(हर एक व्यक्ति की जान कीमती है इसे बचवाने के हमारे संकल्प में सहयोगी बनें)

ट्रैफ़िक अराजकता और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ

फ़रीदाबाद और गुरुग्राम टोल रोड फ़रीदाबाद और गुरुग्राम टोल रोड, जिन्हें कभी बुनियादी ढांचे के आधुनिक चमत्कारों के रूप में जाना जाता था, लेन अनुशासन के बड़े पैमाने पर उल्लंघन और टैग प्रणाली की उपेक्षा के कारण यातायात अराजकता और सुरक्षा खतरों का केंद्र बन गए हैं। इसके परिणामस्वरूप बहुत सारे मुद्दे सामने आए हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और सड़क पर क्रोध की घटनाओं, दुर्घटनाओं और तेज गति के उल्लंघन को बढ़ाते हैं, जिसके कारण 2000 रुपये का भारी जुर्माना लगाया जाता है।

1. लेन अनुशासनहीनता: निर्दिष्ट लेन का पालन न होने से भीड़भाड़ बढ़ जाती है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। वाहन अक्सर बेतरतीब ढंग से लेन बदलते हैं, जिससे ड्राइवरों में भ्रम और निराशा पैदा होती है और परिणामस्वरूप टकराव होता है।

2. टैग सिस्टम का गैर-अनुपालन: टैग प्रणाली का उपयोग करने में विफल रहते हैं, जिससे टोल बूथों पर देरी होती है क्योंकि नकद लेनदेन से यातायात प्रवाह बाधित होता है। यह न केवल भीड़भाड़ में योगदान देता है बल्कि निराश ड्राइवरों के बीच पीछे की ओर टकराव और टकराव का खतरा भी बढ़ाता है।

3. रोड रेज वृद्धि: अराजक यातायात स्थितियां रोड रेज की घटनाओं को बढ़ावा देती हैं, जिसमें ड्राइवर आक्रामक व्यवहार और झगड़ों का सहारा लेते हैं। अशांत स्वभाव के परिणामस्वरूप अक्सर टकराव होता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है और हिंसक झड़पें बढ़ जाती हैं।

4. अधिक गति के कारण दुर्घटनाएँ: इन टोल सड़कों पर ओवर-स्पीडिंग बड़े पैमाने पर होती है, जिससे यात्रियों और पैदल चलने वालों दोनों के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। प्रवर्तन की कमी और गति सीमा की उपेक्षा लगातार दुर्घटनाओं में योगदान करती है, जिसके परिणामस्वरूप चोटें, मृत्यु और वाहनों और संपत्ति को व्यापक क्षति होती है।

5. अप्रभावी यातायात प्रबंधन: प्रभावी यातायात प्रबंधन रणनीतियों को लागू करने में अधिकारियों की विफलता इन सड़कों पर अराजकता को बढ़ाती है। अपर्याप्त संकेत, अपर्याप्त कानून प्रवर्तन, और जागरूकता अभियानों की कमी यातायात उल्लंघन और सुरक्षा खतरों को बनाए रखने में योगदान करती है।

इन गंभीर मुद्दों के आलोक में, फ़रीदाबाद और गुरुग्राम टोल सड़कों पर व्यवस्था और सुरक्षा बहाल करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक है। यातायात नियमों का बेहतर प्रवर्तन, जन जागरूकता अभियान और बुनियादी ढांचे में सुधार भीड़भाड़ को कम करने, दुर्घटनाओं को कम करने और सभी के लिए सुरक्षित आवागमन वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

डॉ. अंकुर शरण
नेशनल चीफ प्लानिंग एंड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)

रंग ला रहा है फ़रीदाबाद की जनता में ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष का साझा प्रयास:- सड़क सुरक्षा और जाम मुक्त सड़के हो रहे हैं लोग जागरूक, जानें

परिवहन विशेष न्यूज

हम सब मिलकर एक साथ फरीदाबाद मे बदलाव लाए। कुछ अच्छा होगा, कुछ गलत लेकिन कुछ होगा तो सिर्फ करने से इसलिए आइए हम सभी मिलकर बनाए फरीदाबाद को स्वच्छ, हरा भरा ,स्वस्थ व सुरक्षित अतिक्रमण मुक्त फरीदाबाद₹ मेरा फरीदाबाद , मेरा गर्व, **दविंद्र सिंह**

@+91 98185 25505 Sir MCF Nodal Officer Road Safety @+91 99904 93882 मंगला जी थोड़ा ध्यान दें सेक्टर 4 से लेकर मिलन तक दोनों साइड यही हालत है हरियाणा सरकार के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर एवं उद्योग मंत्री का भी ऑफिस इसी सड़क पर है खासकर चौराहा पर ध्यान दें **मिलन के आसपास पूरी तरह से अतिक्रमण** चारों तरफ है **जाम का सुबह-शाम मुख्य कारण** ट्रैफिक पुलिस परेशान कृपया थोड़ा ध्यान दें और **इस सड़क पर लाइट भी नहीं चलती** है थोड़ा सा ध्यान दें, देवेंद्र सिंह

यदि टेर्फिक मैनपावर कम है तो दूसरे तरीके जैसे एआई कैमरे द्वारा टेर्फिक की निगरानी व गलत चलने विडियो रिकॉर्डिंग के साथ चालान। कोई बहस नहीं, रिश्वतखोरी पर भी लगाम लगेगी।

कुछ समय बाद रिजल्ट आने शुरू हो जायेंगे। **राजेन्द्र भदवार**

शहर लग रहे सभी कैमरे टेर्फिक विभाग के अधीन हो। उनका रखरखाव भी विभाग के पास हो कारण मैनपावर की कमी है टेर्फिक विभाग में। कैमरों से टेर्फिक स्मूथ चलाने में सक्षम होंगे। किसी भी भेदभाव की गुंजाइश खत्म हो सकेगी। **राजेन्द्र भदवार**

कृपया ध्यान दे ,पानी की बोतल खाली या भरी,रोड रास्ते पर न फेंके, हो सकता है की कोई हमारा परिचित या रिश्तेदार के साथ इस तरह की दुर्घटना हो जाए। **अंकुर शरण**

फरीदाबाद गुरुग्राम रोड़ बंधवारी कूड़ादान से टोल प्लाजा तक हेवी ट्रैफिक जाम लगा हुआ है जिसके कारण कुछ वाहन चालक रोंग साइड में चल रहे हैं। **अंकुर शरण**

I request DCP sahab and ACP sahab to travel one road every Sunday morning with SDO and JE MCF and see what is required to be done on that road. मुझे 2005 याद आ रहा है जब SSP साहब MS Sheoran और commisioner MCF श्री मेहताब सिंह सेहरावत एक ही गाड़ी में बैठकर शहर का दौरा करते थे तथा समस्याओं का तुरंत निवारण करते थे 1 बाएं मुड़ने के लिए Slip Way उस समय सबसे ज्यादा बने थे 1 कुछ महीनों में ही शहर की सड़कें सही हो गईं थीं 1 नीलम पुल और बड़कल पुल भी repaire हुए थे 1 हम सब समय और सुझाव देने के लिए तैयार हैं 1 **एडवोकेट बीएस यादव**

BPTP पुल से पहले Escorts के सामने बहुत गड्ढे थे 6 महीने से 1 मैने वीडियो भी डाला था

कोर्ट मोड़ पर भी गड्ढे थे 1 वो पिछले हफ्ते ठीक हो गए हैं 1 टीम को बधाई और शुक्रिया, **एडवोकेट बीएस यादव**

Bilkul sahi btaya yadav Sahb agar c.mcf or d c p Sahb traffic milkar samsya khtm ho sakti he bhot fark pdega **दया चंद यादव**

कुछ दिन पहले मैंने ग्रुप पर बताया था कि 7 और 8 की dividing पर फुटपाथ और साइकिल ट्रैक बनाया गया लगभग दो महीने हो गए। आधी सड़क आज भी मलबे से घिरी हुई है। जो पत्थर, पेड़ आदि उखाड़े थे, वहीं पड़े हैं। नए फुटपाथ पर बनाने के 15 दिन बाद एक बार तराई करने की

formality भी पूरी की गई। खुदाई के दौरान स्ट्रीट लाइट की केबल उखाड़ दी। अब लाइट नहीं जलती, रोड आधी मलबे से घिरी हुई है। कल रात जोरदार एक्सीडेंट हुआ कार और बाइक का। दोनों की जान तो बच गई पर घायल काफी हुए। पुलिस आई और ताकीद करके गई बाइक वाले को कि पुलिस स्टेशन जा कर शिकायत लिखवा देना। शानदार है ना? बजाए गाड़ी में घायलों को लेकर जाते, ऑटो रुकवा कर उसमें भेज दिया घायलों को। कोई सुनवाई तो है नहीं वास्तव में। इस सड़क से मूलचंद शर्मा जी और नरेंद्र गुप्ता जी रोज निकलते हैं। क्या उन्हें नहीं दिखता? **संजय चतुर्वेदी**

सुनते हैं पुराने समय जब राजा महाराजा होते थे। व रात्रि में भेष बदलकर अपने राज्य में घूम कर जनता को कोई परेशानी तो नहीं है। यदि कुछ मिल जाता था। अगले दिन दरबार में उसका निदान कर देते थे। आजकल के राजा महाराजा को शायद इन बातों से कोई लेना-देना नहीं या अनजान है। आज कल प्रजा जाती है भेष बदल बदल कर कही पहचान लिया तो अंदर ही न घुसने दे, पुराने समय मजिस्ट्रेट चेकिंग होती थी जिसका जनता पर जबरदस्त असर होता था1

SHO, DSP व मजिस्ट्रेट किसी भी जगह महीने में एक बार करते थे **एडवोकेट बीएस यादव**

(हर एक व्यक्ति की जान कीमती है इसे बचवाने के हमारे संकल्प में सहयोगी बनें)

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि

चैत्र नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस समय में घटस्थापना आपके लिए बहुत ही लाभदायक और उन्नतिकारक सिद्ध हो सकता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है।

चैत्र नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस समय में घटस्थापना आपके लिए बहुत ही लाभदायक और उन्नतिकारक सिद्ध हो सकता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है।

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि। तीन हिंदू देवियों- पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित है, जिन्हें नवदुर्गा के नाम से जाना जाता है। पहले तीन दिन पार्वती के तीन स्वरूपों की अगले तीन दिन लक्ष्मी माता के स्वरूपों और आखिरी के तीन दिन सरस्वती माता के स्वरूपों की पूजा करते हैं। दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन है। इसमें देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार से देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने के लिए तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले महादानवों से लोहा लिया इसका वर्णन आता है। यही कारण है कि आज सारे भारत में हर जगह दुर्गा यानि नवदुर्गाओं के मन्दिर स्थपित हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 17 अप्रैल होगा। चैत्र नवरात्रि में अबकी बार पूरे नौ दिनों की नवरात्रि होगी। खास बात ये है कि चैत्र नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इस समय में घटस्थापना आपके लिए बहुत ही लाभदायक और उन्नतिकारक सिद्ध हो सकता है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। साल में दो बार आश्विन और चैत्र मास में नौ दिन के लिए उत्तर से दक्षिण भारत में नवरात्र उत्सव का माहौल होता है। सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती का अगर पाठ न भी कर सकें तो निम्नलिखित श्लोक का पाठ को पढ़ने से सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती और नवदुर्गाओं के पूजन का फल प्राप्त हो जाता है।

सर्वमंगलमंगलये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोऽतु ते।।
शरणांगतदीन आर्त परित्राण परायणे
सर्वस्यार्तिहरे देवी नारायणि नमोऽस्तु ते।।
सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यारत्नाहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते।।

वैसे तो दुर्गा के 108 नाम गिनाये जाते हैं लेकिन नवरात्रों में उनके स्थूल रूप को ध्यान में रखते हुए नौ दुर्गाओं की स्तुति और पूजा पाठ करने का गुप्त मंत्र ब्रहमा जी ने अपने पौत्र मार्कण्डेय ऋषि को दिया था। इसको देवीकवच भी कहते हैं। देवीकवच का पूरा पाठ दुर्गा सप्तशती के 56 श्लोकों के अन्दर मिलता है। नौ दुर्गाओं के स्वरूप का वर्णन संक्षेप में ब्रहमा जी ने इस प्रकार से किया है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रहमचारिणी ।तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्। ।पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च ।सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम् ।नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि उपरोक्त नौ दुर्गाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है इनकी सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुर्गाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि कैसे हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित करने के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की ओर समस्त नवदुर्गाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। इन नौदुर्गाओं में सबसे प्रथम देवी का नाम है शैल पुत्री जिसकी पूजा नवरात्र के पहले दिन होती है। दूसरी देवी का नाम है ब्रहमचारिणी जिसकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन होती है। तीसरी देवी का नाम है चन्द्रघण्टा जिसकी पूजा नवरात्र के तीसरे दिन होती है। चौथी देवी का नाम है कूष्माण्डा जिसकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन होती है। पांचवी दुर्गा का नाम है स्कन्दमाता जिसकी पूजा नवरात्र के पांचवें दिन होती है। छठी दुर्गा का नाम है कात्यायनी जिसकी पूजा नवरात्र के छठे दिन होती है । सातवी दुर्गा का नाम है कालरात्रि जिसकी पूजा नवरात्र के सातवें दिन होती है। आठवीं देवी का नाम है महागौरी जिसकी पूजा नवरात्र के आठवें दिन होती है। नवीं दुर्गा का नाम है सिद्धिदात्री जिसकी पूजा नवरात्र के अन्तिम दिन होती है। इन सभी दुर्गाओं के प्रकट होने और इनके कार्यक्षेत्र की बहुत लम्बी चौड़ी कथा और फेहरिस्त है। लेकिन यहां हम संक्षेप में ही उनकी पूजा अर्चना का वर्णन कर सकेंगे।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्र में शक्ति साधना व कृपा प्राप्ति का का सरल उपाय दुर्गा सप्तशती का पाठ है। नवरात्र के दिवस काल में सविधि मां के कलश स्थापना के साथ शतचंडी, नवचंडी, दुर्गा सप्तशती और देवी अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के पाठ के कई विधि विधान है। दुर्गा सप्तशती महर्षि वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण के सावर्णि मन्वतर के देवी महात्म्य के 700 श्लोक का एक भाग है। दुर्गा सप्तशती में अध्याय एक से तेरह तक तीन चरित्र विभाग हैं। इसमें 700 श्लोक हैं।

दुर्गा सप्तशती के छह अंग तेरह अध्याय को छोड़कर हैं। कवच, कीलक, अर्गला दुर्गा सप्तशती के प्रथम तीन अंग और प्रधानिक आदि तीन रहस्य हैं। इसके अलावा और कई मंत्र भाग है जिसे पूरा करने से दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णता होती है। इस संदर्भ में विद्वानों में मतांतर है। दुर्गा-सप्तशती को दुर्गा-पाठ, चंडी-पाठ से भी संबोधित करते हैं। चंडी पाठ में छह संवाद है।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि महर्षि मेधा ने सर्वप्रथम राजा सुरथ और समाधि वैश्य को दुर्गा का चरित्र सुनाया। तदनंतर यही कथा महर्षि मृकण्डु के पुत्र चिरंजीवी मार्कण्डेय ने मुनिवर भागुरि को सुनाई। यही कथा द्रोण पुत्र पक्षिगण ने महर्षि जैमिनी से कही। जैमिनी महर्षि वेदव्यास जी के शिष्य थे। यही कथा संवाद महर्षि वेदव्यास ने मार्कण्डेय पुराण में यथावत्क्रम वर्णन कर लोकोपकार के लिए संसार में प्रचारित की। इस प्रकार दुर्गा सप्तशती में दुर्गा के चरित्रों का वर्णन है।

मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्माजी ने मनुष्यों के रक्षार्थ परम गोपनीय साधन, कल्याणकारी देवी कवच एवं परम पवित्र उपाय संपूर्ण प्राणियों को बताया, जो देवी के नौ मूर्ति-स्वरूप हैं, जिन्हें 'नव दुर्गा' कहा जाता है। उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है। श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ मनोरथ सिद्धि के लिए किया जाता है; क्योंकि श्री दुर्गा सप्तशती दैत्यों के संहार की शौर्य गाथा से अधिक कर्म, भक्ति एवं ज्ञान की त्रिवेणी हैं। यह श्री मार्कण्डेय पुराण का अंश है। यह देवी महात्म्य धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने में सक्षम है। सप्तशती में कुछ ऐसे भी स्तोत्र एवं मंत्र हैं, जिनके विधिवत पारायण से इच्छित मनोकामना की पूर्ति होती है।

देवी का ध्यान मंत्रः देवी प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोऽखिलस्य। प्रसीद विश्वेतरि पाहि विश्वं त्वमीश्चरी देवी चराचरस्य।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस प्रकार भगवती से प्रार्थना कर भगवती के शरणागत हो जाएं। देवी कई जन्मों के पापों का संहार कर भक्त को तार देती है। वही जननी सृष्टि की आदि, अंत और मध्य है।

देवी से प्रार्थना करें:
शरणागत-
दीनार्त-परित्राण-परायणे ! सर्वस्यार्तिंहरे देवि ! नारायणि ! नमोऽस्तुते ॥

सर्वकल्याण एवं शुभार्थ प्रभावशाली माना गया हैः
सर्व मंगलं मांगल्ये शिवे
सर्वाथ साधिके।
शरण्येत्र्यंबके गौरी
नारायणि
नमोस्तुऽते॥

बाधा मुक्ति एवं धन-पुत्रादि प्राप्ति के लिएः सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो धन-धान्य सुतान्वितः। मनुष्यों मत्प्रसादेन भवष्यति न संशय॥

सर्वबाधा शांति के लिएः सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्।।

आरोग्य एवं सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस चमत्कारिक फल देने वाले मंत्र को स्वयं देवी दुर्गा ने देवताओं को दिया हैःदेहि सौभाग्यं आरोग्यं देहि में परमं सुखम्। रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि॥

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अर्थातः शरण में आए हुए दीनों एवं पीड़ितों की रक्षा में संलग्न रहने वाली तथा सब की पीड़ा दूर करने वाली नारायणी देवी ! तुम्हें नमस्कार है। देवी से प्रार्थना कर अपने रोग, अंदरूनी बीमारी को ठीक करने की प्रार्थना भी करें। ये भगवती आपके रोग को हरकर आपको स्वस्थ कर देंगी।

विपत्ति नाश के लिएः शरणागतर्दनार्त परित्राण पारायणे। सर्व स्यार्ति हरे देवि नारायणि नमोऽतुते॥

मोक्ष प्राप्ति के लिएः त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या। विश्वस्य बीजं परमासि माया।। सम्मोहितं देवि समस्तमेतत्। त्वं वैप्रसन्ना भुवि मुक्त हेतुः।।

शक्ति प्राप्ति के लिएः
सृष्टिस्थितिविनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि नमोह्यस्तु ते।।

अर्थातः तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता, सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणि ! तुम्हें नमस्कार है।

रक्षा का मंत्रः शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन नः पाहि चापज्यानिः स्वनेन च।।

अर्थातः देवी ! आप शूल से हमारी रक्षा करें। अम्बिके ! आप खड्ग से भी हमारी रक्षा करें तथा घण्टा की ध्वनि और धनुष की टंकार से भी हमलोगों की रक्षा करें।

रोग नाश का मंत्रः रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता हाश्रयतां प्रयान्ति।

अर्थातः देवी ! तुम प्रसन्न होने पर सब रोगों को नष्ट कर देती हो और कुपित होने पर मनोवांछित सभी कामनाओं का नाश कर देती हो। जो लोग तुम्हारी शरण में जा चुके है। उनको विपत्ति तो आती ही नहीं। तुम्हारी शरण में गए हुए मनुष्य दूसरों को शरण देने वाले हो जाते हैं।

दुःख-दारिद्र नाश के लिएः दुर्गे स्मृता हरसि भीतिमशेषजन्तोः। स्वस्थै स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।। द्रारिद्र दुःख भयहारिणि का त्वदन्या। सर्वोपकारकारणाय सदाद्यद्र्रचिता।।

ऐश्वर्य, सौभाग्य, आरोग्य, संपदा प्राप्ति एवं शत्रु भय मुक्ति-मोक्ष के लिएः ऐश्वर्य यत्प्रसादेन सौभाग्य-आरोग्य सम्पदः। शत्रु हानि परो मोक्षः स्तुयते सान किं जनै॥

भय नाशक दुर्गा मंत्रः सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते, भयेभ्यास्त्रहिनो देवी दुर्गे देवी नमोस्तुते।

स्वप्न में कार्य सिदि्ध-असिदि्ध जानने के लिएः दुर्गे देवि नमस्तुभ्यं सर्वकामार्थ साधिके। मम सिदि्धमसिदि्धं वा स्वप्ने सर्व प्रदर्शय।।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि अर्थातः शरणागत की पीड़ा दूर करने वाली देवी हम पर प्रसन्न होओ। संपूर्ण जगत माता प्रसन्न होओ। विश्वेश्वरी ! विश्व की रक्षा करो। देवी ! तुम्ही चराचर जगत की अधिश्वरी हो।

मां के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णनः सृष्टिस्थिति विनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि ! नमोऽस्तुते॥

अर्थातः हे देवी नारायणी ! तुम सब प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली शरणागतवत्सला, तीन नेत्रों वाली एवं गौरी हो, तुम्हें नमस्कार है। तुम सृष्टि पालन और संहार की शक्तिभूता सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणी ! तुम्हें नमस्कार है।

इस प्रकार देवी उनकी शरण में जाने वालों को इतनी शक्ति प्रदान कर देती है कि उस मनुष्य की शरण में दूसरे लोग आने लग जाते हैं। देवी धर्म के विरोधी दैत्यों का नाश करने वाली है। देवताओं की रक्षा के लिए देवी ने दैत्यों का वध किया। वह आपके आतंरिक एवं बाह्य शत्रुओं का नाश करके आपकी रक्षा करेगी। आप बारंबार उसकी शरणागत हो एवं स्वरमय प्रार्थना करें।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हे सर्वेश्वरी ! तुम तीनों लोकों की समस्त बाधाओं को शांत करो और हमारे शत्रुओं का नाश करती रहो। पुनः भगवती के शरणागत जाकर भगवती चरित्र को पढ़ने, उनका गुणगान करने मात्र से सर्वबाधाओं से मुक्त होकर धन, धान्य एवं पुत्र से संपन्न होंगे। इसमें तनिक भी संदेह नहीं। भगवती के प्रादुर्भाव की सुंदर गाथाएं सुनकर मनुष्य निर्भय हो जाता है। मुझे अनुभव है कि भगवती के माहात्म्य को सुनने वाले पुरुष के सभी शत्रु नष्ट हो जाते हैं। उन्हें कल्याण की प्राप्ति होती है तथा उनका कुल आनंदित रहता है। स्वयं भगवती का वचन है कि मेरी शरण में आया हर व्यक्ति दुःख से परे हो जाता है। यदि आप संगणित है तथा और आपके बीच दूरियां हो गई हैं तो आप पुनः संगठित हो जाएंगे। बालक अशांत है तो शांतिमय जीवन हो जाएगा।

श्लोकः शांतिकर्मणि सर्वत्र तथा दुःस्वप्रदर्शने। ग्रहपीड़ासु चोग्रासु महात्मयं शणुयात्मम।

अर्थातः सर्वत्र शांति कर्म में, बुरे स्वप्न दिखाई देने पर तथा ग्रहजनित भयंकर पीड़ा उपस्थित होने पर माहात्म्य श्रवण करना चाहिए। इससे सब पीड़ाएं शांत और दूर हो जाती है। मनुष्यों के दुःस्वप्न भी शुभ स्वप्न में परिवर्तित हो जाते है। ग्रहों से अक्रांत हुए बालकों के लिए देवी का माहात्म्य शांतिकारक है। देवी प्रसन्न होकर धार्मिक बुद्धि, धन सभी प्रदान करती है। स्तुता सम्पूजिता पुष्पैर्धूपगंधादिभिस्तथा ददाति वित्तं पुत्रांश्च मति धर्मे गति शुभाम्।

जाप विधिः नवरात्रि के प्रतिपदा के दिन घटस्थापना के बाद संकल्प लेकर प्रातः स्नान करके दुर्गा की मूर्ति या चित्र की पंचोपचार या दक्षोपचार या षोड्षोपचार से गंध, पुष्प, धूप, दीपक नैवेद्य निवेदित कर पूजा करें। मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखें। शुद्ध-पवित्र आसन ग्रहण कर रुद्राक्ष या तुलसी या चंदन की माला से मंत्र का जाप एक माला से पांच माला तक पूर्ण कर अपना मनोरथ कहें। पूरे नवरात्र जाप करने से वांछित मनोकामना अवश्य पूरी होती है। समयाभाव में केवल 10 बार मंत्र का जाप निरंतर प्रतिदिन करने पर भी माँ दुर्गा प्रसन्न हो जाती हैं। दुर्गेदुर्गति नाशिनी जय जय॥

श्लोकः नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततंनमः। नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्मताम्।

अर्थातः देवी को नमस्कार है, महादेवी शिवा को सर्वदा नमस्कार है। प्रकृति एवं भद्रा को प्रणाम है। हम लोग नियमपूर्वक जगदंबा को नमस्कार करते हैं। शैद्रा को नमस्कार है। नित्या गौरी एवं धात्री को बारंबार नमस्कार है। ज्योत्सनामयी चंद्ररूपिणी एवं सुखस्वरूपा देवी को सतत प्रणाम है। इस प्रकार देवी दुर्गा का स्मरण कर प्रार्थना करने मात्र से देवी प्रसन्न होकर अपने भक्तों की इच्छा पूर्ण करती है। देवी मां दुर्गा अपनी शरण में आए हर शरणार्थी की रक्षा कर उसका उत्थान करती है। देवी की शरण में जाकर देवी से प्रार्थना करें, जिस देवी की स्वयं देवता प्रार्थना करते हैं। वह भगवती शरणागत को आशीर्वाद प्रदान करती है।

- डा. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक

चैत्र नवरात्र 09 अप्रैल 2024 मंगलवार, नवरात्र उपासना के कुछ साधारण नियम

नवरात्र के दिनों में शुद्धता व पवित्रता का पूरा ध्यान रखें।

इन दिनों में पूरी तरह सात्विक भोजन करें एवं पवित्र आचरण रखें। जिससे कि काम क्रोध, मद, लोभ, अहंकार जैसे विजातीय तत्वों से बचा जा सके। अगर आप नवरात्र का व्रत रखते हैं तो ध्यान रखें कि व्रत के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें। अगर आप व्रत नहीं रख पा रहे हैं तो आप विधिवत पूजा भी कर सकते हैं। अगर आपका स्वास्थ्य आपका साथ दे रहा है तभी आप व्रत रखें। नवरात्री में देवी दुर्गा को तुलसी या दूर्वा घास अर्पित न करें इस बात का आपको विशेष ध्यान रखना चाहिए। माता को लाल-पीले पुष्प अर्पित करें, जैसे गुलाब, गुड़हल, गेंदा, हजारा आदि। नवरात्र पूजन में प्रयोग में लाए जाने वाले रोली या कुमकुम से पूजन स्थल के दरवाजे के दोनों ओर स्वास्तिक बनाया जाना शुभ रहता है। नवरात्र के दिनों में दुर्गा सप्तशती का पाठ ज़रूर करें। पाठ के साथ कवच, कीलक अर्गला का पाठ भी जरूर करना चाहिए। अगर 1 से 13 अध्याय का पाठ हर दिन नहीं कर पाए तो हर दिन एक-एक चरित्र का पाठ करें। सप्तशती को 3 चरित्र में बांटा गया है प्रथम, मध्यमा और उत्तम। नवरात्र के दिनों में हो सके तो प्रतिदिन जोत लें या छोटा हवन करें। क्योंकि मां को ₹हवन₹ अति प्रिय है। घर में कुछ उपलब्ध वस्तुओं से भी हवन किया जा सकता है जैसे-ः लौंग, इलायची, किसमिस, बादाम की कतरन, छुआरा, नारीयल का बुरादा (चिटकी), जौ, इत्यादि। हवन या ज्योत में भारतीय देसी गाय का शुद्ध देसी घी का ही उपयोग करें। नवरात्र के दिनों में ज्यादा से ज्यादा मौन व्रत का पालन करें, कम बोलें और अनर्गल वार्तालाप बचें, क्योंकि मौन से ऊर्जा का संचय होता है। नवरात्र में रात्रि जागरण का विशेष महत्व है कुछ देर रात्रि जागरण करें और मां के मंत्रों का जप करें, रात्रि में आप अपने गुरु व ईष्ट मंत्रों के जप भी कर सकते हैं। नवरात्र में नौ कन्याओं को भोजन जरूर कराएं। नौ कन्याओं को नवदुर्गा मानकर पूजन करें। बेहतर होगा कि नियमित एक कन्या को भोजन कराएं और अंतिम दिन भोजन के बाद उस कन्या को वस्त्र, पढ़ाई का सामान, खाने पीने की वस्तुएं, फल, श्रृंगार सामग्री इत्यादि देकर विदा करें। नवरात्र के भोग में मां दुर्गा को रोजाना फल अर्पित कर सकते हैं। इन फलों को भोग लगाने के बाद कन्याओं में बांट सकते हैं।। नवरात्रि का समय एक दिव्य ऊर्जा का काल है जिसमें आप अपने ईष्ट की साधना करके अपने अंदर दिव्यता और सकारात्मकता ला सकते हैं।

अखंड ज्योति के नियम

चैत्र शुक्ल पक्ष, 9 अप्रैल 2024 मंगलवार से माता रानी के चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं और आप लोगों में से बहुत से भक्त माता के नवरात्र में अखंड ज्योत रखते होंगे। आइए जानते हैं अखंड ज्योत के कुछ साधारण नियम-ः

अखंड ज्योत कलश स्थापना के साथ-साथ ही प्रज्वलित कर दें ।अखंड ज्योत के आसपास 9 दिन तक झाड़ ना निकाले केवल गिले व सूखे कपड़े से सफाई करें। इस बात का खास ख्याल रखें कि अखंड ज्योति जमीन की बजाय किसी लकड़ी की चौकी पर लाल कपड़े बिछाकर रखकर जलाएं। अखंड ज्योत के दीपक के नीचे चावल जरूर रखे, क्योंकि प्रज्वलित दीपक कभी जमीन पर नहीं रखा जाता। अखंड ज्योति को गंदे हाथों से भूलकर भी ना छूएं। अखंड ज्योति को कभी अकेले ना छोड़े एवं पीठ दिखाकर भी नहीं जायें। अखंड ज्योति जलाने के लिए भारतीय देसी गाय का शुद्ध देसी घी का प्रयोग करें, क्योंकि गाय का घी सबसे उत्तम और मंगलकारी है। आप चाहें तो तिल का तेल या फिर सरसों का तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अगर आप घर में अखंड ज्योति की देखभाल नहीं कर सकते हैं तो आप किसी मंदिर में देसी घी अखंड ज्योति के लिए दान करें।

अखंड ज्योति के लिए रूई की जगह कलावे का इस्तेमाल करें, कलावे की लंबाई इतनी हो कि ज्योति नौ दिनों तक बिना बुझे जलती रहे। अखंड ज्योति जलाते समय मां दुर्गा, शिव और गणेशजी का ध्यान करें। इस मंत्र का भी जप भी कर सकते हैं-ः ₹ॐ जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।

अखंड ज्योति को मां दुर्गा के दाईं ओर रखा जाना चाहिए., अगर दीपक में सरसों का तेल है तो देवी के बाईं ओर रखें। ख्याल रखें कि नवरात्रि समाप्त होने पर इसे स्वंय ही समाप्त होने दें कभी भी बुझाने का प्रयास ना करें। अखंड ज्योत प्रज्वलित करने वाला जातक 9 दिन तक व्रत उपवास करें, सात्विक भोजन करें। स्वच्छता व पवित्रता का ध्यान रखें एवं कम से कम बोले मौन व्रत का पालन करें।

नवरात्रि में अलग-अलग प्रसाद से माता होगी प्रसन्न

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

नवरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है। एक वर्ष में चार बार नवरात्र आते हैं चैत्र, आषाढ़, माघ और शारदीय नवरात्र। इनमें चैत्र और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है। इसके अलावा आषाढ़ और माघ गुप्त नवरात्रि होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 9 अप्रैल 2024 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 17 अप्रैल होगा। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था। ऐसे में माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करके मां को प्रसन्न करना चाहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इन नौ दिनों में हर दिन माता को अलग-अलग चीजों का भोग लगाने का विधान बताया गया है। नवरात्र की 9 देवियां अलग-अलग 9 शक्तियों का प्रतीक मानी जाती हैं। अगर आप भी इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करके अपनी हर मुराद झट से पूरी कर लेना चाहते हैं तो नवरात्रि में हर दिन के हिसाब से माता को लगाएं उनकी पसंद का भोग।

पहला दिन- मां शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

दूसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी

जो लोग मां ब्रह्मचारिणी से अपने लिए दीर्घायु का वरदान चाहते हैं उन्हें नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाने से माना जाता है कि व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

तीसरा दिन- मां चंद्रघंटा

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बनी चीज़ों का भोग लगाया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन के हर दुख समाप्त जाते हैं।

चौथा दिन- मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन ब्राह्मणों को मालपुए खिलाने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

पांचवां दिन- मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाया जाता है। स्कंदमाता की पूजा करने से आजीवन आरोग्य रहने का वरदान मिलता है।

छठां दिन- मां कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से आकर्षण का आशीर्वाद मिलता है।

सातवां दिन- मां कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजी की जाती है। इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि गुड़ का भोग लगाने से आकस्मिक संकट से रक्षा होती है।

आठवां दिन- मां महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन लोग कन्या पूजन भी करते हैं। इस दिन महागौरी की पूजा करते समय माता को नारियल का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

नौवां दिन- मां सिद्धिदात्री

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाते हैं। जिन लोगों को आकस्मिक मृत्यु का भय होता है वो मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं।

'अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव जीत के आइये' एलजी सक्सेना पर भड़के दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी सक्सेना पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि रोज बाबुओं की तरह चिट्ठी लिखने से आप मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। संविधान को पढ़िए। संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा है कि चुनी हुई सरकार के मामले में चुने हुए मंत्री को LG आदेश देंगे। पानी स्वास्थ्यट्रांसपोर्ट फारेस्ट सभी ट्रांसफर्ड सब्जेक्ट हैं। LG के अधीन नहीं आते।

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी सक्सेना पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि रोज बाबुओं की तरह चिट्ठी लिखने से आप मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। संविधान को पढ़िए। संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा है कि चुनी हुई सरकार के मामले में चुने हुए मंत्री को LG आदेश देंगे। पानी स्वास्थ्यट्रांसपोर्ट फारेस्ट सभी ट्रांसफर्ड सब्जेक्ट हैं। LG के अधीन नहीं आते।

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एलजी वीके सक्सेना को जमकर खरीखोटी सुनाई है। दरअसल, एलजी ने मंत्रियों के बैठक में न आने को लेकर गृह मंत्रालय से चिट्ठी लिखकर शिकायत की थी। भारद्वाज ने कहा कि LG साब को सरकार चलाने का शौक चढ़ा है तो अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़िए। जीत के आइये। मुख्यमंत्री बनने के लिए जनता का दिल जीतना पड़ता है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि रोज बाबुओं की तरह चिट्ठी लिखने से आप मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। संविधान को पढ़िए। संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा है कि चुनी हुई सरकार के मामले में चुने हुए मंत्री को LG आदेश देंगे। पानी, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्ट, फारेस्ट सभी ट्रांसफर्ड सब्जेक्ट हैं। LG के अधीन नहीं आते।

आचार संहिता की बात कहकर नहीं आए मंत्रीः एलजी

बता दें, उपराज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर शिकायत की थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनके मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के लिए बुलाई बैठक में उनके मंत्री नहीं पहुंचे। चिट्ठी में उन्होंने कहा कि मंत्रियों की एक बैठक बुलाई, ताकि दिल्ली के रोजमर्रा के काम प्रभावित न हो। लेकिन मंत्रियों ने यह कहकर आने से मना कर दिया कि अभी आचार संहिता लागू है।

'चुप नहीं बैठेंगे, मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव पर दर्ज होगा केस', दवाईयों की कमी पर सौरभ भारद्वाज

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर दवाओं की कमी के कारण किसी की मृत्यु हो जाती है या गंभीर रूप से बीमार पड़ जाता है तो क्या अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमा शुरू नहीं किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हम चुप नहीं बैठेंगे मैं इसके लिए मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ मामला दर्ज कराऊंगा।

नईदिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों और औषधालयों में दवाओं की कमी को लेकर मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएं।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों और औषधालयों में दवाओं की कमी और कुछ संबंधित अधिकारियोंद्द्वारा मोहल्ला क्लीनिकों में मुफ्त नैदानिक परीक्षणों को रोकने का मुद्दा आप विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने नियम 54 के तहत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाया।

सौरभ भारद्वाज ने सदन में दो रिपोर्ट पेश की

भारद्वाज ने इसके जवाब में सदन में दो रिपोर्ट पेश कीं, जिनमें मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव की रिपोर्ट भी शामिल है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने लिखित रूप में दिया है कि अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में दवाएं उपलब्ध थीं और जो अनुपलब्ध थीं, उन्हें पूरा कर दिया गया है।

मंत्री ने कहा कि दूसरी रिपोर्ट विधायकों की प्रतिक्रिया, समाचार रिपोर्ट और उनकी अपनी पूछताछ पर आधारित थी।उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व नियोजित साजिश के तहत बोलियां उपलब्ध होने के बावजूद 2023 की केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) निविदा को अंतिम रूप नहीं दिया गया। उन्होंने कहा सरकारी अस्पतालों, डिस्पेंसरियों और मोहल्ला क्लीनिकों के लिए दवाएं सीपीए के माध्यम से खरीदी जाती हैं।

पत्र लिखने के बाद कोई कार्रवाई नहीं: भारद्वाज

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जनवरी में दवा की कमी और मोहल्ला क्लीनिक में जांच बंद होने का मामला सामने आया था। उन्होंने विवरण और कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को 12 फरवरी और फिर चार मार्च और 18 मार्च को लिखा लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अस्पतालों द्वारा स्थानीय खरीद या अनुबंध दर पर खरीद के माध्यम से दवा खरीद के वैकल्पिक तरीके हैं, लेकिन चिकित्सा अधीक्षकों और चिकित्सा निदेशकों ने एक मार्च और 11 मार्च को हुई बैठकों में बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी परिपत्रों के कारण यह असंभव हो गया है।

'केजरीवाल के मंत्री मीटिंग में शामिल नहीं हो रहे', दिल्ली एलजी ने एमएचए को लिखा पत्र

दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच एक बार फिर से लेटर वार तेज हो गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य और पानी से जुड़ी समस्याओं पर चिट्ठी के बाद उपराज्यपाल ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। उपराज्यपाल ने इस दौरान दिल्ली के मंत्रियों की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मंत्री मीटिंग में शामिल होने के लिए नहीं आ रहे हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आप सरकार और उपराज्यपाल के बीच टकराहट थमने का नाम नहीं ले रही है। अब उपराज्यपाल ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर दिल्ली के मंत्रियों की शिकायत की है। चिट्ठी में कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद मंत्रियों ने उपराज्यपाल द्वारा बुलाई बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया।

निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया- एलजी

केंद्रीय गृह सचिव को लिखे पत्र में एलजी ने कहा कि केजरीवाल की हिरासत की वजह से शासन के नियमित कार्यों में बाधा न आए, इसलिए इस तरह का परामर्श आवश्यक था, लेकिन मंत्रियों ने मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के आधार पर उनके निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया।

पत्र में आगे कहा गया कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और उसके बाद की घटनाओं के विशेष रूप से शहर में सार्वजनिक स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे से संबंधित घटनाओं, पानी की उपलब्धता के लिए ग्रीष्मकालीन कार्य योजना आदि के सार्वजनिक डोमेन में आने पर उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों के मंत्रियों की बैठक बुलाई थी।

2 अप्रैल को मीटिंग के लिए भेजी सूचना

इस संबंध में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, आतिशी और सौरभ भारद्वाज को 2 अप्रैल को बैठक के लिए सूचना भेजी गई थी। हालांकि, सभी मंत्रियों ने ई-मेल के माध्यम से उक्त बैठक में शामिल होने से इस विशेष आधार पर इनकार कर दिया है कि चूंकि आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए इस स्तर पर ऐसी बैठक उचित नहीं होगी।

बता दें कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से उपराज्यपाल और सरकार के बीच लेटर तेज हो गई है। इससे पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना और सौरभ भारद्वाज में लेटर वार देखने को मिला था। उपराज्यपाल द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठाए गए मुद्दे का जवाब देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कई सवाल भी किए थे।

आपूर्ति रोकने की पूर्व नियोजित साजिशः भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इससे साफ होता है कि यह सीपीए टेंडर में बाधा डालकर दवा की आपूर्ति रोकने की एक पूर्व नियोजित साजिश थी। उन्होंने कहा कि अगर अस्पतालों और औषधालयों में दवाएं ही उपलब्ध नहीं हैं तो (मुख्यमंत्री) अरविंद केजरीवाल या सौरभ भारद्वाज क्या करेंगे?

छठी से लेकर 9वीं में एडमिशन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, जानिए लास्ट डेट

परिवहन विशेष न्यूज

अधिकारी ने बताया कि पहले दिन बड़ी संख्या में ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी जो विद्यार्थी पांचवीं से लेकर सातवीं तक की कक्षा से किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से उत्तीर्ण हैं या जो विद्यार्थी स्कूल से बाहर हैं वो इस प्रक्रिया में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। पहले चरण की ये आवेदन प्रक्रिया 17 अप्रैल तक चलेगी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नान प्लान दाखिला के तहत छठवीं से लेकर नौवीं तक की कक्षाओं में दाखिले को लेकर आवेदन की प्रक्रिया आठ अप्रैल से शुरु हो गई है। पहले चरण की ये आवेदन प्रक्रिया 17 अप्रैल तक चलेगी।

पहले दिन बड़ी संख्या में मिले आवेदन

शिक्षा निदेशालय के अधिकारी ने बताया कि पहले दिन बड़ी संख्या में ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी जो विद्यार्थी पांचवीं से लेकर सातवीं तक की कक्षा से किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से उत्तीर्ण हैं या जो विद्यार्थी स्कूल से बाहर हैं वो इस प्रक्रिया में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं।

वहीं, नौवीं में केवल वहीं विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने किसी स्कूल से आठवीं उत्तीर्ण की हो। पहले चरण के तहत 29 अप्रैल को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी। 30 अप्रैल को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों में दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। दूसरे चरण के तहत आवेदन प्रक्रिया 15 मई से शुरु होकर 15 जून तक चलेगी।

तीसरे चरण की दाखिले की प्रक्रिया

27 जून को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी और 28 जून से छह जुलाई तक विद्यार्थी आवंटित स्कूलों में पहुंचकर दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं। 10 जुलाई से 31 जुलाई तक को तीसरे चरण के तहत विद्यार्थी दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। 12 अगस्त को दाखिले के लिए आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी और 13 अगस्त से 31 अगस्त तक विद्यार्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

दिल्ली जल बोर्ड में अनियमितताओं पर चर्चा की मांग पर अड़े बीजेपी विधायक, हंगामे के बाद मार्शल ने किया बाहर

परिवहन विशेष न्यूज

बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का महिमा मंडन करना बंद करे। दिल्ली की जनता पहले से ही पानी सीवर प्रदूषण और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से घिरी हुई है क्योंकि आम आदमी पार्टी के नेताओं को जनता की नहीं सिर्फ अपनी राजनीति की चिंता है।

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग को लेकर सदन में प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों को सोमवार को मार्शलों ने दिल्ली विधानसभा से बाहर कर दिया। सदन की कार्यवाही सदस्यों द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मुद्दे उठाने के साथ शुरू हुई।

मगर भाजपा विधायक डीजेबी में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग करने लगे। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने अनुरोध को खारिज कर दिया और विपक्षी सदस्यों को बैठने के लिए कहा। जब भाजपा विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे तो गोयल ने मार्शलों से उन्हें सदन से बाहर ले जाने को कहा। बाद में भाजपा के आठ विधायकों ने विधानसभा परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास धरना दिया।

'जल बोर्ड का पैसा अन्य उद्देश्यों के लिए खर्च'

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आप सरकार की खुद की रिपोर्ट कह रही है कि जल बोर्ड 73,000 करोड़ रुपये के घाटे में है और 28,400 करोड़ रुपये का हिसाब कोई नहीं दे सकता। बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि जल बोर्ड को दिया गया पैसा अन्य उद्देश्यों के लिए खर्च किया गया और करोड़ों का नुकसान हुआ, ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की जानी चाहिए क्योंकि लोग निराश और परेशान हैं।

बिधूड़ी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का महिमा मंडन करना बंद करे। दिल्ली की जनता पहले से ही पानी, सीवर, प्रदूषण और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से घिरी हुई है क्योंकि आम आदमी पार्टी के नेताओं को जनता की नहीं सिर्फ अपनी राजनीति की चिंता है।

केजरीवाल को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देः बिधूड़ी

उन्होंने कहा कि केजरीवाल को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता बारी-बारी से यह ड्रामा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल जाने के बाद समस्याएं गंभीर हो रही हैं और वह जेल में रहते हुए निर्देश जारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले मंत्री आतिशी ने केजरीवाल का महिमा मंडन करते हुए घड़ियाली आंसू बहाते हुए कहा था कि दिल्ली में पानी और सीवर की समस्या गंभीर है और केजरीवाल को इसकी चिंता है।अब सौरभ भारद्वाज ने स्वीकार कर लिया है कि दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों में दवाइयां नहीं मिल रहीं और मुफ्त टेस्ट नहीं हो रहे।

कंप्यूटर पर एआइएमएल के जरिये कर रहे हैं फिलहाल जांच, भविष्य में देंगे एप का रूप

सिर्फ पांच मिनट में मिलेंगे किडनी टेस्ट के रिजल्ट, IIT दिल्ली द्वारा तैयार ऐप से घर बैठे मिलेगा परिणाम

परिवहन विशेष न्यूज

आर्टिफिशियल मशीन लर्निंग के जरिये एप में इमेज प्रोसेसिंग होगी। इसके बाद एप बता देगा कि एल्ब्यूमिन और क्रिटिनन की यूरिन में कितनी मात्रा है। प्रयोगशाला में जांच में एक से दो दिन लग जाते हैं। लेकिन इसके जरिये पांच मिनट में परिणाम सामने आ जाएंगे। इस प्रक्रिया में तत्वों की मात्रा की जांच की जाती है। आर्टिफिशियल मशीन लर्निंग के जरिये एप में इमेज प्रोसेसिंग होगी।

नई दिल्ली। किडनी रोगों का समय रहते पता लगाने की दिशा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली काम कर रहा है। आईआईटीडी के सेंटर फार सेंसर्स, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड सायबर- फिजिकल सिस्टम इंजीनियरिंग (सेंस) ने ऐसा कंप्यूटर प्रोग्राम बनाया है, जिसके जरिए यूरिन स्ट्रिप के इस्तेमाल से किडनी में एल्ब्यूमिन और क्रिटिनिन की मात्रा का पता लगाया जा सकता है।

इसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं और हाल में शोध पत्र भी प्रकाशित हुआ है। आईआईटीडी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के साथ मिलकर प्रोग्राम तैयार कर रहा है। भविष्य में प्रोग्राम को मोबाइल एप्लिकेशन के रूप में डिजाइन किया जाएगा, जिससे लोग घर बैठे टेस्ट कर सकेंगे।

सेंस में एसोसिएट प्रोफेसर और शोध के प्रमुख प्रो. सतीश कुमार दुबे ने बताया कि प्राजेक्ट पर तीन वर्षों से काम चल रहा है। यूरिन की जांच के लिए स्ट्रिप आती हैं, उसको यूरिन सैंपल में डालने के बाद हर पेच का रंग बदल जाता है। हर पेच में कैमिकल होता है। इस स्ट्रिप की फोटो मरीज को लेनी होगी और उसके बाद इसे एप में डालना होगा।

पांच मिनट में परिणाम सामने आ जाएंगे

आर्टिफिशियल मशीन लर्निंग के जरिये एप में इमेज प्रोसेसिंग होगी। इसके बाद एप बता देगा कि एल्ब्यूमिन और क्रिटिनन की यूरिन में कितनी मात्रा है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में जांच में एक से दो दिन लग जाते हैं। लेकिन, इसके जरिये पांच मिनट में परिणाम सामने आ जाएंगे। इस प्रक्रिया में तत्वों की मात्रा की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि स्ट्रिप से सामान्यतौर पर बीमारी का पता चल जाता है। लेकिन, हानिकारक तत्व की मात्रा पता नहीं चलती। उन्होंने कहा कि हर मोबाइल के कैमरे की क्षमता अलग-अलग होती है। फोटो लेते वक्त वहां की रोशनी का उस पर प्रभाव पड़ता है। एप के जरिये हम काम कर रहे हैं कि रोशनी का प्रभाव जांच पर न पड़े। स्ट्रिप के रंग रोशनी से प्रभावित न हों।

बीमारी को शुरुआत में ही पकड़ने में सहायक

'क्वालिफिकेशन आफ माइक्रोएल्ब्यूमिन्युरिया यूजिंग स्मार्टफोन- बेस्ड प्वाइंट आफ केयर डिवाइस फार अर्ली डाग्यनोसिस आफ क्रॉनिक किडनी डिसीज' प्रोजेक्ट पर प्रोफेसर दुबे के साथ काम कर रहीं शोध छात्रा सुनीता ने बताया कि हमारे ऐप से एल्ब्यूमिन की मात्रा 7.5 ग्राम तक मापी मापी जा सकती है। इससे बीमारी के शुरुआती चरण में ही उसका पता लगाया जा सकता है।

लैब में इतनी कम मात्रा को मापना मुश्किल है। इससे समय रहते उपचार शुरू किया जा सकता है। किडनी की बीमारी में लक्षण दिखने के बाद ही इसका पता चल पाता है। अगर हानिकारिक तत्वों का यूरिन में शुरुआती स्तर पर ही पता चल जाए तो इसे समय रहते नियंत्रित किया जा सकता है।

एम्स की कैथ लैब से जांच के लिए ले रहे सैंपल

प्रो. दुबे ने कहा कि एम्स की कैथ लैब से हम जांच के लिए सैंपल ले रहे हैं। जांच में उनकी मदद भी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी योजना सुदूर इलाकों में राहत पहुंचाने की है। जहां जांच के साधन सुलभ नहीं है। ग्रामीण इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने काफी समय लगता है।

वहां यूरिन स्ट्रिप मुहैया करा दी जाए, तो जांच आसानी से की जा सकती है। स्ट्रिप छह से सात रुपये में आ जाती है। इसलिए घर पर भी इससे जांच कर सकते हैं। हाल में इसका शोध पत्र आइईईई सेंसर्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

ईद के दौरान अखूनजी मस्जिद स्थल पर नमाज अदा करने की अनुमति से दिल्ली HC का इनकार

अखूनजी मस्जिद स्थल पर रमजान के महीने और ईद के दौरान नमाज अदा करने की अनुमति देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को इनकार कर दिया। इस दौरान एकल पीठ के निर्णय पर अपील दायर करने में देरी पर अदालत ने सवाल उठाया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अगर एक घंटे के लिए ईद की नमाज की अनुमति दी जाती है तो स्वर्ग नहीं गिर जाएगा।

नई दिल्ली। महरौली में ध्वस्त अखूनजी मस्जिद स्थल पर रमजान के महीने और ईद के दौरान नमाज अदा करने की अनुमति देने से दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को इनकार कर दिया। सुनवाई के दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीमत सिंह अरोड़ा की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से पूछा कि एकल पीठ का आदेश 11 मार्च का है और अब आठ अप्रैल आ चुकी है, आखिर अपील दायर करने में इतना इंतजार क्यों किया गया।

7 मई को होगी सुनवाई : अदालत ने कहा कि इस पर उस अपील के साथ सात मई को सुनवाई होगी। कोई अंतरिम आदेश नहीं हो सकता। सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता संगठन की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि समिति पिछले दरवाजे से प्रवेश पाने की कोशिश नहीं कर रही है।

बाबरी मस्जिद मामले और ज्ञानवापी मामले पर भरोसा करते हुए उन्होंने कहा कि संवैधानिक अदालतों ने पहले धार्मिक मान्यताओं का सम्मान किया है और धार्मिक स्थलों के संबंध में कानूनी विवादों के लंबित रहने तक प्रार्थना करने की अनुमति दी है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अगर एक घंटे के लिए ईद की नमाज की अनुमति दी जाती है, तो स्वर्ग नहीं गिर जाएगा।

याचिकाकर्ता ने दिया तर्क : उन्होंने कहा कि भारत के लोगों, विशेष रूप से मुसलमानों को एक संदेश जाएगा कि अदालतें मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा के लिए समान रूप से उत्साहित हैं। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि सात मई तक रमजान और ईद की अवधि समाप्त हो जाएगी। हालांकि, अदालत ने मामले में कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। 11 मार्च को एकल न्यायाधीश ने अखूनजी मस्जिद में रमजान माह में नमाज अदा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

लापता

नाम : संजना पुत्री श्री अजय कुमार
आयु :13 वर्ष
लिंग : महिला
ऊंचाई : 5′1″
शरीर : पतला
बाल :*काले
आंखें :*काली
अंतिम बार देखा गया : गली नंबर 10 संजय कॉलोनी नरेला दिल्ली – 110040
अंतिम बार देखे जाने की तिथि : 07/04/2024 (समय : 6 :30 बजे)

वस्त्र : हरे रंग की प्रिंटेड कुर्ती और जींस और काले रंग के फुटवियर
संपर्क जानकारी :
यदि आपके पास लापता व्यक्ति के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया संपर्क करें :
अजय कुमार पुत्र श्री. ईश्वर सिंह निवासी ख.नं.22/2, गली नं.10, संजय कॉलोनी, नरेला, दिल्ली – 110040, मोबाइल नं. +91-9250929732.
पुलिस स्टेशन : नरेला, दिल्ली

नोएडा की बेटी अंशिका सिंह ने ऑस्ट्रेलिया में लहराया भारत का परचम, 2 साल में खड़ी कर दी करोड़ों की कंपनी

नोएडा की बेटी अंशिका सिंह ने ऑस्ट्रेलिया में देश का परचम लहराया है। 2022 में खुद के दम पर आउट-रीड एप के नाम से स्टार्टअप कंपनी की शुरुआत करके 2 साल में करोड़ों की कंपनी स्थापित कर दी। अंशिका लक्ष्य अगले पांच वर्ष में इस कंपनी की मार्केट वैल्यू लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। वह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ओएसडी संतोष कुमार की बड़ी बेटी हैं।

ग्रेटर नोएडा। कहते हैं कि मन में यदि चाह हो तो सफलता खुद-बखुद कदम चूमती है। नोएडा के सेक्टर 14ए की रहने वाली बेटी अंशिका सिंह ने इस कथन को साकार कर दिखाया है। 2022 में एक अनूठा एप बनाकर स्टार्टअप के रूप में इसे शुरू किया। दो साल से भी कम समय में उस कंपनी की हैसियत 27 करोड़ रुपये हो चुकी है।

आस्ट्रेलियाई सरकार ने किया सम्मानित

इस स्टार्टअप के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अंशिका को सम्मानित भी किया। दरअसल, अंशिका सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ओएसडी संतोष कुमार की बड़ी बेटी हैं। उनका परिवार मूल रूप से हाथरस से है। अंशिका ने 12वीं तक की पढ़ाई डीपीएस नोएडा से पूरी करने के बाद 2017 में रायल मेलबर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से स्कॉलरशिप के साथ स्नातक की पढ़ाई की।

2022 में शुरू की थी स्टार्टअप कंपनी

इसके बाद 2022 में खुद के दम पर आउट-रीड एप के नाम से स्टार्टअप कंपनी की नींव रखी। इस ऐप से किसी भी बड़े दस्तावेज का सारांश चंद पलों में प्राप्त कर सकते हैं। आपको हजारों पन्ने का डॉक्यूमेंट पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि सभी जरूरी बातें चंद लाइनों में सिमटकर आ जाएगी। किसी भी रिसर्च डाक्यूमेंट का सारांश इस एप की मदद से प्राप्त किया जा सकता है।

इसका इस्तेमाल शिक्षण संस्थानों, रिसर्च सेंटरों, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने समेत तमाम जगहों पर किया जा सकता है। इसे ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप में से एक चुना गया, जिसके लिए साउथ ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अंशिका को पुरस्कृत भी किया। वे अभी मेलबर्न में रह रही हैं। गूगल के मुख्य वैज्ञानिक जेफ डीन, यूएस कंपनी टेक स्टार ने शुरुआती निवेश के लिए सहयोग किया है।

2500 करोड़ की कंपनी बनाने का लक्ष्य

अंशिका कहती हैं कि पढ़ाई के दौरान ही उनके दिमाग में यह आइडिया आया। इस पर काम शुरू किया और दो साल की कड़ी मेहनत के बाद अपनी सहपाठी गाजियाबाद की जान्ह्वी चौधरी के साथ मिलकर एप को तैयार किया। उनका लक्ष्य अगले पांच वर्ष में इस कंपनी की मार्केट वैल्यू लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।

घर से निकलने में लग रहा डर! 24 घंटे में कुत्तों ने 85 बच्चों समेत 297 लोगों को काटा

गाजियाबाद में घर से बाहर निकलने पर अपराधियों से अधिक आवारा कुत्तों से डर लगने लगा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में पता चला है कि शनिवार की रात से लेकर सोमवार की सुबह तक सबसे अधिक लोगों को आवारा कुत्ते काट रहे हैं। सोमवार को 24 घंटे में आवारा और पालतू कुत्तों ने 85 बच्चों समेत 297 लोगों को काटा है।

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। सुबह, दोपहर, शाम और रात को घर से बाहर निकलने पर अपराधियों से अधिक आवारा कुत्तों से डर लगने लगा है। अनेक लोग सुबह और शाम को घूमने के लिए घर से निकलने से पहले हाथ में लाठी ले लेते हैं। गलती से रात को सुनसान सड़कों पर पैदल चल रहे हैं तो कुत्तों का झुंड हमला कर देता है।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में पता चला है कि शनिवार की रात से लेकर सोमवार की सुबह तक सबसे अधिक लोगों को आवारा कुत्ते काट रहे हैं। सोमवार को 24 घंटे में आवारा और पालतू कुत्तों ने 85 बच्चों समेत 297 लोगों को काटा है।

जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक टीके

जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 129 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इनमें 55 पुरुष, 20 महिला, 45 बच्चे और 10 बुजुर्ग शामिल हैं। इसके अलावा 140 लोगों ने एआरवी की दूसरी और तीसरी डोज लगवाई है। संयुक्त अस्पताल में 39 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली और 145 लोगों ने दूसरी डोज लगवाई है। पूरे जिले में 435 लोगों ने एआरवी की दूसरी व तीसरी डोज लगवाई है।

इमरजेंसी में 12 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई

जिला एमएमजी अस्पताल के कार्यवाहक सीएमएस डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि इमरजेंसी में 12 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इनमें एक बच्चे ने बंदर के काटने पर वैक्सीन लगवाई है। ओपीडी में कुल 269 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली और दूसरी डोज लगवाई है। नगरीय क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी रेबीज वैक्सीन का इंतजाम होने के बाद भी जिला अस्पतालों में ही लोग वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं।

जिला एमएमजी अस्पताल में सबसे अधिक 129 लोगों ने एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इनमें 55 पुरुष, 20 महिला, 45 बच्चे और 10 बुजुर्ग शामिल हैं। इसके अलावा 140 लोगों ने एआरवी की दूसरी और तीसरी डोज लगवाई है।

सोमवार को गाजियाबाद में कहां कितने लोगों ने लगवाई एआरवी

अस्पताल	नये	पुराने
जिला एमएमजी अस्पताल	129	140
संयुक्त अस्पताल	39	145
सीएचसी डासना	22	25
सीएचसी मुरादनगर	25	28
सीएचसी मोदीनगर	23	29
सीएचसी लोनी	24	27
सीएचसी भोजपुर	15	18
संयुक्त अस्पताल लोनी	20	23

बढ़ा तापमान, लगातार दूसरे दिन तेज धूप ने तपाया, जानें आगामी दिनों में कैसा रहेगा मौसम

गाजियाबाद में दूसरे दिन सोमवार को तेज धूप की वजह से दोपहर में काफी गर्मी महसूस हुई। हालांकि न्यूनतम तापमान स्थिर रहा। अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस बढोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में हल्के बादल मंडराते रहेंगे। तापमान में एक-दो बढ़ोतरी होने के आसार हैं। वातावरण में आर्द्रता 16 प्रतिशत दर्ज की गई।

गाजियाबाद। दूसरे दिन सोमवार को तेज धूप की वजह से दोपहर में काफी गर्मी महसूस हुई। हालांकि न्यूनतम तापमान स्थिर रहा। अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस बढोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में हल्के बादल मंडराते रहेंगे। तापमान में एक-दो बढोतरी होने के आसार हैं।

लगातार दो दिन से सुबह सवेरे से ही तेज धूप रहती है। सोमवार को दूसरे दिन भी दोपहर में काफी गर्मी महसूस हुई। न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा अधिकतम 19 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 16 प्रतिशत दर्ज की गई।

आसमान में हल्के बादल मंडराते रहे

मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को आसमान में हल्के बादल मंडराते रह सकते हैं। तापमान में एक दो डिग्री सेल्सियस बढोतरी का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवा अधिकतम 14 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 15 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जब भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता बोले, प्रमुख सचिव गृह से बात कराऊं क्या?

परिवहन विशेष न्यूज

खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाथ में कमल का निशान लेकर हाथ हिला रहे थे। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अतुल गर्ग और सांसद वीके सिंह के हाथ में कमल का निशान था। जैसे ही रोड शो समाप्ति स्थल चौधरी मोड पर पहुंचा तो करीब तीन घंटे से इंतजार में खड़े समर्थकों में उत्साह देखने लायक था। उन्होंने मोदी-मोदी अबकी बार 400 पार के नारे लगाए।

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो के दौरान पुलिस अधिकारियों की भाजपा नेताओं से कई बार नोकझोंक हुई। मालीवाड़ा चौक पर बने रोड शो रूट के पहले सेक्टर में भाजपा के उत्तर प्रदेश प्रवक्ता एसएन सिंह पहुंचे तो एसीपी नितिन सिंह ने उन्हें अंदर नहीं आने दिया, दूसरे सेक्टर का ग्रिल खोल वहां मौजूद समर्थकों को पहले सेक्टर में प्रवेश दे दिया।

परिचय देने के बाद भी भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता को पहले सेक्टर में अंदर नहीं आने दिया तो वह गुस्सा गए। गुस्से में लाल होकर भाजपा के प्रदेश एसएन सिंह एसीपी नितिन सिंह से बोले, कौन पुलिस अधिकारी है तो हमें अंदर नहीं आने दे रहा है। प्रमुख सचिव गृह से बात कराऊं क्या..?

भाजपा नेता की पुलिसकर्मियों से हुई तीखी नोकझोंक

इसके बाद उन्हें पहले सेक्टर में प्रवेश करने दिया गया है। इसी तरह का वाकया भाजपा नेता प्रदीप चौहान के साथ हुआ। उनकी भी प्रवेश करने के दौरान पुलिसकर्मियों से तीखी नोकझोंक हुई। भाजपा नेता राजीव शर्मा ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया।

एएसपी व जिला सूचना अधिकारी के बीच हुई नोकझोक : रोड शो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने से पहले सुरक्षा में तैनात एएसपी जितेंद्र सिंह व जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह के बीच नोकझोंक हुई।

दरअसल, पुलिस अधिकारी मीडियाकर्मियों समेत भाजपा नेताओं को सेक्टर में प्रवेश नहीं करने दे रहे थे। इस पर मीडियाकर्मियों व भाजपा नेताओं ने जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह से शिकायत की।

एएसपी जितेंद्र सिंह से बात की तो वह उनसे भी भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच करीब 10 मिनट तक तीखी नोकझोंक हुई। डीसीपी ग्रामीण विवेक यादव ने मामला शांत कराया।

गुरुग्राम शहर के कई क्षेत्रों में 36 घंटे बंद रहेगी पानी की सप्लाई

गुरुग्राम शहर में इन दिनों गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल खपत भी बढ़ गई। इस बीच शहर के कई क्षेत्रों में सोमवार को सुबह दस बजे से नौ अप्रैल को रात दस बजे तक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बसई और सेक्टर 16 बूस्टिंग स्टेशन गुरुग्राम से घरों में पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। गर्मी के दिनों में 36 घंटे पेयजल आपूर्ति बंद होने से पानी का संकट बढ़ सकता है।

गुरुग्राम। शहर के कई क्षेत्रों में 36 घंटे पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। बसई चौक से हीरो होंडा चौक तक बरसाती नाले का निर्माण कार्य करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा सोमवार को सुबह दस बजे से नौ अप्रैल को रात दस बजे तक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बसई और सेक्टर 16 बूस्टिंग स्टेशन गुरुग्राम से घरों में पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी।

इन इलाकों में बंद रहेगी पेयजल आपूर्ति

शटडाउन अवधि के दौरान गांव बसई, कादीपुर, सिरहौल, चकरपुर, नाथूपुर, सिकंदरपुर, डूंडाहेड़ा, सुखराली, गोशाला बूस्टर, सेक्टर 37 और 34, सिविल लाइंस, हंस एंकलेव, सेक्टर 10ए, सेक्टर 14, सेक्टर 16,17 18, सेक्टर 15 पार्ट एक और दो, सेक्टर 27,28,29, सेक्टर 30, 31 और 32 में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अलावा सेक्टर 38, 39, 40, 41 और 43, सेक्टर 45, 46 (आंशिक), डीएलएफ फेज एक से चार, साइबर सिटी तथा उद्योग विहार फेज एक और दो के अलावा साउथ सिटी-वन, सुशांत लोक-वन और एमजी रोड क्षेत्र में पानी नहीं आएगा।

गर्मी में बढ़ी पेयजल खपत

शहर में इन दिनों गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल खपत भी बढ़ गई। चंदू बुढ़ेड़ा और बसई प्लांट की क्षमता 570 एमएलडी है और शहर में पानी की मांग 550 एमएलडी से ऊपर पहुंच गई है। 36 घंटे पेयजल आपूर्ति बंद होने से पानी का संकट बढ़ सकता है।

10-10 हजार में बेचते थे तमंचा, अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़; इंजीनियर समेत 4 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा में पैकेजिंग फैक्ट्री की आड़ में चल रही तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। आशंका है कि लोकसभा चुनाव के दौरान तमंचे अलग-अलग जिलों में सप्लाई किए जाने थे। आरोपितों के कब्जे से बरामद पिस्टल की कीमत 15 लाख रुपये है। आरोपितों ने पुलिस पूछताछ के दौरान बताया है कि वह तमंचा के साथ-साथ पिस्टल भी बनाते थे।

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस ने पैकेजिंग फैक्ट्री की आड़ में चल रही तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। सरगना समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के कब्जे से 111 अधबने तमंचे, नौ तमंचा, पिस्टल समेत कई अन्य सामान बरामद हुआ है। चारों आरोपित गाजियाबाद के मोरटा औद्योगिक क्षेत्र में तमंचा बनाने की फैक्ट्री संचालित कर रहे थे। आरोपितो ने लियो पार्ट इंडिया इंडस्टरीज लिमिटेड के नाम से फैक्ट्री खोली थी। इस फैक्ट्री की आड़ में तमंचा फैक्ट्री चल रही थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान शाहफहद, बादल कुमार, शिवमपाल और सादिक के रूप में हुई है।

शाहफहद है गिरोह का सरगना

शाहफहद गिरोह के सरगना है। पिछले वर्ष 2023 में भी एसटीएफ ने उसको अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। शाहफहद ने वर्ष 2011 में इंजीनियरिंग डिप्लोमा की पढ़ाई की थी। डीसीपी सेंट्रल नोएडा सुनीति ने बताया कि खेड़ा चौगानपुर गोलचक्कर के समीप ब्रेजा कार को जांच के लिए रोका गया। क्राइम डिटेक्शन टीम व कोतवाली पुलिस की जांच में मौके से चार आरोपित पकड़े गए।

पूछताछ में पता चला कि आरोपित गाजियाबाद में तमंचा फैक्ट्री चला रहे थे। उसको बुलंदशहर शिफ्ट करने की फिराक में थे। कार में तमंचा बनाने के भारी मात्रा में उपकरण बरामद किए गए है जो कि आरोपित बुलंदशहर लेकर जा रहे थे। आशंका है कि लोकसभा चुनाव के दौरान तमंचे अलग-अलग जिलों में सप्लाई किए जाने थे। आरोपितों के कब्जे से बरामद पिस्टल की कीमत 15 लाख रुपये है।

80 हजार में बेचता था पिस्टल

ईकोटेक तीन कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र शुक्ला ने बताया कि आरोपितों ने पुलिस पूछताछ के दौरान बताया है कि वह तमंचा के साथ-साथ पिस्टल भी बनाते थे। ऑर्डर मिलने पर महज दो दिन में हथियार बना देते थे। 80 हजार रुपये में पिस्टल व दस हजार रुपये में तमंचा बेचते थे।

पकड़े गए आरोपितों में शामिल शाहफहद गाजियाबाद के डासना, बादल दिल्ली के शाहदरा, शिवमपाल मेरठ के गांव शरापी आलमपुर बुजुर्ग व सादिक गाजियाबाद के नंदग्राम का रहने वाला है।

यह हुआ बरामद

स्लाइड लाक 111, सेफ्टी लाक, स्लाइड लाक रिटेनर 100, ट्रिगर 30, हाउसिंग 51, बाइस पांच, बर्नियर कैलिबर चार, सीक लैंप चार, माइक्रोमीटर एक, रोड बैरर पांच, डिग्री स्केल एक समेत कई अन्य उपकरण

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

ललित गर्ग

देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रुके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है।

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरु हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं। अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे? भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है। दलों को विचार करना ही होगा कि राजनीति के मायने चुनाव जीतना भर ही है या फिर वे विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ताओं को मौका देकर राजनीति को स्वस्थ रखना चाहते हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज की ठेकेदारी राजनैतिक दलों एवं नेताओं ने ले रखी है, पर ईमानदारी से यह दायित्व कोई भी दल एवं नेता सही रूप में नहीं निभा रहा है। "सारे ही दल एवं नेता एक जैसे हैं" यह सुगबुगाहट जनता के बीच बिना कान लगाए भी स्पष्ट सुनाई देती है। राजनीतिज्ञ पारे की तरह हैं, अगर हम उस पर अँगुली रखने की कोशिश करेंगे तो उसके नीचे कुछ नहीं मिलेगा। सभी दल राजनीति नहीं, स्वार्थ नीति चला रहे हैं।

भाजपा को अपने 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है, इसके लिये वह हर-तरह के समझौते कर रही है, दागी नेताओं को भी अपनी पार्टी में जगह दे रही है। ऐसे नेताओं के अपराधों पर भी परदा डाला जा रहा है। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े अपराध के मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। जबकि दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह एवं आग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। ऐसे अवसरवादी नेता फिर किसी नई पार्टी में नहीं जाएंगे इसको क्या गारंटी है? अच्छे लोग राजनीति में यदि सिर्फ पद पाने के लिए ही आए तो उसे क्या माना जाए? ऐसी जानी-मानी हस्तियां भी हैं जो आज यहां और कल वहां के उदाहरण पेश कर चुकी हैं। ऐसी सलेब्रिटी को पार्टी में शामिल होते ही टिकट से पुरस्कृत कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों को इस बड़ी विसंगति एवं अवसरवादिता पर विचार तो करना ही चाहिए कि आखिर कौन, किस इरादे से पार्टी में आ रहा है। ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं कि नामी-गिरामी लोगों ने राजनीति में प्रवेश किया, टिकट भी मिला और चुनाव जीते भी। उसके बाद जनता से जुड़ ही नहीं पाए और अगले चुनाव में इनका टिकट कट गया। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो निष्पक्ष हो, ईमानदार हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजनहिताय का लक्ष्य लेकर चलने वाला हो। लेकिन स्वार्थी, अक्षम, दागी नेताओं को किसी भी दल में जगह देना यह उस दल की मजबूती एवं स्वस्थ राजनीति पर एक बदनुमा दाग है। विडम्बना है कि लोकतंत्र में सिर गिने जाते हैं, मस्तिष्क नहीं। इसका खामियाजा हमारा लोकतंत्र भुगतता है, भुगतता रहा है। ज्यादा सिर आ रहे हैं, मस्तिष्क नहीं। जाति, धर्म, स्वार्थ और वर्ग के मुखौटे ज्यादा हैं, मनुष्यता के चेहरे कम। तभी राजनीति अवसरवादिता का अखाड़ा बनती जा रही है।

मारुति डिजायर और टाटा टिगोर को चुनौती देने होण्डा ला सकती है एमेज का नया वर्जन

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में Compact Sedan के तौर पर Honda की ओर से Amaze को ऑफर किया जाता है। मारुति डिजायर टाटा टिगोर और हुंडई ऑरा को चुनौती देने के लिए कंपनी की ओर से जल्द ही इस गाड़ी का नया वर्जन लाया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होंडा कब तक इसे ला सकती है और इसमें क्या बदलाव हो सकते हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में जहां एक ओर एसयूवी सेगमेंट के साथ ही हैचबैक कारों को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। वहीं कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में भी मारुति डिजायर, टाटा टिगोर, हुंडई ऑरा और होंडा अमेज को काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक Honda Amaze का नया वर्जन लाने की तैयारी की जा रही है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि कंपनी की ओर से कब तक अमेज का नया वर्जन किन बदलावों के साथ लाया जा सकता है।

Honda Amaze का आएगा नया वर्जन

होंडा की ओर से भारतीय बाजार में कॉम्पैक्ट सेडान के तौर पर अमेज को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी इस कार के नए वर्जन को लाने की तैयारी कर रही है। लेकिन अभी कंपनी की ओर से इसके बारे में किसी तरह की कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल में फेस्टिव सीजन के शुरू होने से पहले इसे पेश किया जा सकता है।

क्या होंगे बदलाव

रिपोर्ट्स के मुताबिक नई अमेज में कॉस्मेटिक बदलाव किए जाएंगे। जिसमें गाड़ी को फ्रंट और रियर से बदला जा सकता है। इसके साथ ही इसमें कई नए फीचर्स को भी जोड़ा जा सकता है। लेकिन इसके इंजन में कोई खास बदलाव होने की संभावना कम है। नई अमेज को होंडा सिटी की पांचवी पीढ़ी के प्लेटफॉर्म पर ही बनाया जा सकता है। इसके साथ ही इसे ग्लोबल स्तर पर ऑफर की जाने वाली सेडान कार Civic और Accord की तरह डिजाइन किया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक दोपहिया का निर्यात हब बन सकता है भारत, दुनिया में मांग बढ़ने की उम्मीद

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में चीन की कंपनियों की रुचि घरेलू कार बाजार पर ज्यादा है। जापान की कंपनियों के पास टेक्नोलॉजी है लेकिन उनके पास विस्तार करने की योजना अभी तक नहीं है। ऐसे में भारतीय दोपहिया कंपनियों के पास अवसर है कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर वैश्विक दोपहिया ईवी की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकती हैं।

दुनिया में इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसमें भारत की दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (Electric Two Wheeler) बनाने वाली कंपनियों के लिए जबरदस्त संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। दक्षिण अमेरिकी देशों से लेकर दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के बाजार में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ रही है, लेकिन इनकी आपूर्ति करने वाली कंपनियों की कमी है।

निर्यात हब बन सकता है भारत

इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में चीन की कंपनियों की रुचि घरेलू कार बाजार पर ज्यादा है। जापान की कंपनियों के पास प्रौद्योगिकी है लेकिन उनके पास विस्तार करने की योजना अभी तक नहीं है। ऐसे में भारतीय दोपहिया कंपनियों के पास अवसर है कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर वैश्विक दोपहिया ईवी की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकती हैं।

भारतीय कंपनियों ने पिछले वित्त वर्ष कुछ सौ दोपिहया वाहनों का ही निर्यात किया है, लेकिन अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत से 10 लाख से ज्यादा दोपिहया वाहनों का निर्यात हो सकता है। केंद्र सरकार की तरफ से भारतीय ईवी कंपनियों को सब्सिडी देने के साथ ही विदेशी बाजारों में पैर पसारने के लिए भी हरसंभव मदद दी जा रही है।

मांग बढ़ने की उम्मीद

पिछले दिनों नीति आयोग और भारी उद्योग व लोक उपक्रम मंत्रालय की अगुआई में ईवी क्षेत्र में वैश्विक आपूर्ति में संभावनाओं पर एक बैठक हुई। बैठक में शामिल उद्योग जगत के कुछ लोगों ने दैनिक जागरण को बताया कि अगर कार बनाने वाली कुछ दिग्गज वैश्विक कंपनियां भारतीय बाजार में उतरने की तैयारी में हैं तो दोपहिया बाजार में भारतीय कंपनियों की भी बहुत जबरदस्त मांग बढ़ने की सूरत बन रही है।

सरकार इस बारे में व्यापक अध्ययन करने में कंपनियों को मदद करेगी। अभी तक जो सूचना सामने आई है उसके मुताबिक, पिछले छह महीनों में चीन की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों ने दोपिहया वाहनों के निर्यात पर ब्रेक लगाना शुरू कर दिया है।

वजह यह है कि उनके घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक कारों की मांग उम्मीद से भी ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। उसके लिए कल-पुर्जे आपूर्ति करने में इन कंपनियों को ज्यादा फायदा दिख रहा है। भारत के लिए एक शुभ संकेत यह है कि दक्षिण अमेरिकी व अफ्रीका के जिन बाजारों में दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग निकल रही है वहां भारत की पेट्रोल चालित वाहनों की पहले से ही काफी अच्छी साख है।

बजाज आटो, टीवीएस व हीरो के स्कूटर व मोटरसाइकिल इन बाजारों में चीन की दोपहिया कंपनियों को पहले ही बाहर कर चुकी हैं। ये कंपनियां आसानी से अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को इन बाजारों में बेच सकती हैं। नीति आयोग ने कहा, मौजूदा निर्माण क्षमता का करना होगा विस्तार कुछ महीने पहले भारत की एक प्रमुख दोपहिया वाहन कंपनी एथर एनर्जी ने नेपाल के बाजार में प्रवेश किया है। नीति आयोग ने भारतीय कंपनियों को कहा है कि विदेशी बाजार में उपलब्ध संभावनाओं का फायदा उठाने के लिए उन्हें अपनी मौजूदा निर्माण क्षमता का विस्तार करना होगा।

अभी भारतीय बाजार में ही काफी ज्यादा मांग होने की संभावना है। वर्ष 2019-20 में भारत में सिर्फ 28 हजार इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर व्हीकल की बिक्री हुई थी, जो वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.28 लाख हो गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान बिक्री में तीन गुणा वृद्धि की संभावना जताई गई है। ऐसे में भारतीय कंपनियों जैसे एथर, ओला इलेक्ट्रिक, हीरो इलेक्ट्रिक, ओकीनावा आटोटेक, बजाज ऑटो आदि को अपनी क्षमता में भारी विस्तार करना होगा। लेकिन इसके साथ ही इन्हें विदेशी बाजार को लेकर भी नीति सामने लानी होगी।

बाइक का इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए, किन बातों से लगाएं पता, जानें डिटेल

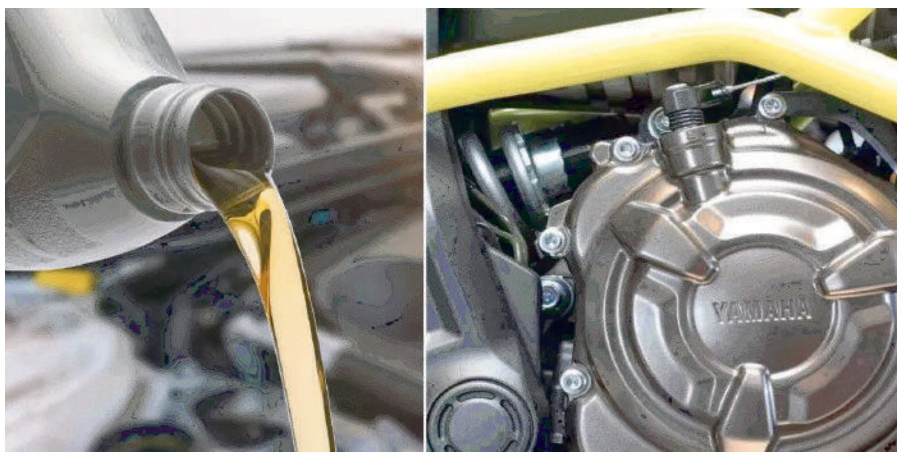

किसी भी बाइक के लिए इंजन का सही तरह से काम करना काफी जरूरी होता है। अगर इंजन में किसी भी तरह की खराबी आ जाती है तो फिर उसे ठीक करवाने में समय और पैसे दोनों लगते हैं। Bike के इंजन को सही रखने के लिए Engine Oil का सही समय पर बदलना भी जरूरी होता है। इंजन ऑयल को कब बदलना चाहिए। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। किसी भी Bike के लिए इंजन काफी जरूरी पार्ट होता है। इंजन को सही रखने और लंबे समय तक बिना परेशानी चलाने के लिए समय पर Engine Oil का बदलना भी काफी ज्यादा जरूरी होता है। किन संकेतों के जरिए इस बात की जानकारी मिलती है कि बाइक के इंजन ऑयल को बदला जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं।

इंजन से आवाज

अगर आपकी बाइक को चलाते हुए इंजन से सामान्य से ज्यादा आवाज आने लगती है, तो ऐसी स्थिति में इंजन ऑयल को बदलना काफी जरूरी हो जाता है। जब भी बाइक में नया इंजन ऑयल डाला जाता है तो इंजन की आवाज काफी कम हो जाती है, लेकिन जब भी ऑयल खराब हो जाता है तो इंजन से आने वाली आवाज बढ़ने लगती है।

ओवरहीट होने पर भी चेक करें

अगर आपकी बाइक चलते हुए काफी तेजी से ओवरहीट होने लगती है, तो भी इस बात की संभावना होती है कि इंजन ऑयल खराब हो गया हो। इसके साथ ही यह भी खतरा होता है कि इंजन में ऑयल का स्तर काफी कम हो गया हो। ऐसा होने पर इंजन को नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ऐसे संकेत मिलने पर इंजन ऑयल को चेक कर उसे बदल देना चाहिए।

पढ़े मैनुअल बुक

हर बाइक के साथ कंपनी की ओर से मैनुअल बुक या ई-मैनुअल को दिया जाता है। जिसमें इस बात की जानकारी होती है कि बाइक में किस तरह के इंजन ऑयल का उपयोग करना चाहिए और इसे कब बदलना चाहिए। अगर आपको इस बात की जानकारी नहीं है तो कंपनी के सर्विस सेंटर पर जाकर भी अपनी बाइक के इंजन ऑयल को बदलने की जानकारी को लिया जा सकता है। कई बाइक्स में कंपनियों की ओर से हर तीन हजार किलोमीटर पर इंजन ऑयल बदलने की सलाह दी जाती है।

मार्च महीने में देश में सबसे ज्यादा हुई इन कारों की बिक्री, जानें टॉप-5 में कौन सी कारें हुई शामिल

भारतीय बाजार में हर महीने लाखों की संख या में वाहनों की बिक्री होती है। जिनमें यात्री वाहन सेगमेंट का भी महत वपूर्ण योगदान रहता है। March 2024 के दौरान देशभर में ग्राहकों ने Cars and SUVs को सबसे ज यादा पसंद किया। बिक्री के मामले में Top 5 लिस्ट में कौन कौन सी कारों और एसयूवी ने अपनी जगह बनाई है। आइए जानते हैं।

नईदिल्ली।March 2024 के दौरान देशभर में बड़ी संख्या में कारों और एसयूवी सेगमेंट में बिक्री हुई। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि बिक्री के मामले में बीते महीने में किन पांच (Top 5 Cars) कारों को सबसे ज्यादा पसंद किया गया।

Tata Punch बनी पहली पसंद

मार्च 2024 के दौरान कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में टाटा की पंच एसयूवी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया। कंपनी की इस एसयूवी की बीते महीने में कुल 17547 यूनिट्स की बिक्री देशभर में हुई है। टाटा की ओर से सबसे सस्ती एसयूवी के तौर पर पेश की जाने वाली पंच की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 6.13 लाख रुपये है।

Hyundai Creta की भी रही मांग

हुंडई की ओर से क्रेटा को एसयूवी सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। बीते महीने इस एसयूवी को भी 16458 ग्राहकों ने खरीदा। जबकि पिछले साल इसी अवधि में इस एसयूवी की कुल 14026 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। भारत में इस एसयूवी की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 10.99 रुपये से हो जाती है।

Maruti Wagon R रही तीसरे नंबर पर

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता मारुति की ओर से हैचबैक कार के तौर पर वैगन आर को ऑफर किया जाता है। लंबे समय से भारतीयों की पसंदीदा कार के तौर पर वैगन आर रही है। बीते महीने इस कार की कुल 16368 यूनिट्स की बिक्री हुई है। बाजार में इस कार की एक्स शोरूम कीमत की शुरूआत 5.54 रुपये से हो जाती है।

Maruti Dzire

मारुति की ओर से कॉम्पैक्ट सेडान के तौर पर डिजायर को ऑफर किया जाता है। कंपनी की यह सेडान कार अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। बीते महीने में इस कार की 15894 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि इसके पहले मार्च 2023 में इसकी 13394 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। इस कार की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 6.56 लाख रुपये से शुरू होती है।

पांचवें नंबर पर रही Maruti Swift

मारुति की ओर से हैचबैक के तौर पर स्विफ्ट को भी ऑफर किया जाता है। यह कार युवाओं को काफी ज्यादा पसंद आती है। बीते महीने में इस कार की कुल 15728 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि इसके पहले इस कार को 17559 लोगों ने खरीदा था। इसकी कीमत की शुरूआत 5.99 लाख रुपये से हो जाती है।

विकसित भारत की दरकार है खुशहाली

डा. जयंती लाल भंडारी

यद्यपि जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में दो माह बाकी हैं, लेकिन 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के तहत आम आदमी की खुशहाली बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर अभी से प्रशासनिक स्तर पर रणनीति बनाई जाना शुरू हो गई है।

हमें यह ध्यान रखना होगा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित देश बनाने के लिए सरकार के द्वारा आम आदमी की प्रति व्यक्ति आय और खुशहाली बढ़ाने के लिए जो व्यय किए जाते हैं, वे उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जिस तरह सरकार के द्वारा बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश लाभप्रद होता है। उम्मीद है सरकार रणनीतिक रूप से कारगर प्रयासों की राह पर आगे बढ़ेगी'

यद्यपि जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में दो माह बाकी हैं, लेकिन 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के तहत आम आदमी की खुशहाली बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर अभी से प्रशासनिक स्तर पर रणनीति बनाई जाना शुरू हो गई है। देश के आम आदमी के जीवन स्तर में वृद्धि, गरीबी में कमी, रोजगार के मौके बढ़ाने जैसे विभिन्न मुद्दों पर अधिक प्रयासों से ही देश खुशहाली के उस स्तर पर पहुंच सकता है, जोकि विकसित भारत की महत्वपूर्ण दरकार है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 21 मार्च को प्रकाशित विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 को भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है, जिसमें 143 देशों में भारत को 126वां स्थान दिया गया है। गौरतलब है कि विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 के तहत सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण जैसे कारकों के आधार पर विश्व भर के देशों का आकलन कर रैंकिंग तैयार की गई है। पिछले वर्ष भी इस रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर था। इस रैंकिंग में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश है।

नॉर्डिक देश खुशहाली सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। इनमें डेनमार्क और आइसलैंड ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया है। स्वीडन चौथे नंबर पर है। यद्यपि इस वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद दुनिया के कोने-कोने से लोग इसे अतार्किक और अविश्वसीय बनाते हुए टिप्पणियां कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यूरोपीय विद्वानों के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदण्डों पर आधारित खुशहाली की रैंकिंग देने वाली यह सूची भ्रमित करने वाली है। इस रैंकिंग पर भरोसा नहीं होता है। इस खुशहाली की रैंकिंग में भारत से चार पायदान ऊपर 122वें पर स्थित पाकिस्तान दुनियाभर में महंगाई, ऋणग्रस्तता, धार्मिक आजादी व लोकतांत्रिक चुनौती से ग्रस्त ऐसे देश के रूप में चर्चित है जिस देश की सत्ता में सांप्रदायिक कट्टरपंथी जमात अग्रिम पंक्ति में है। कदम-कदम पर धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। इतना ही नहीं, फिलिस्तीन के साथ निर्मित युद्ध से जिस देश के हजारों लोगों के चेहरों पर निराशाएं दी हैं, उस इजराइल को दुनिया का पांचवां सबसे खुशहाल देश बताया गया है। इतना ही नहीं, युद्ध से पीड़ित क्षतिग्रस्त, हजारों मौतों का सामना कर रहा रूस 72वें, फिलस्तीन 103वें तथा यूक्रेन 105वें क्रम पर है। ये देश पीड़ाओं, निराशाओं व युद्ध के बावजूद भारत से अधिक खुशहाली की रैंकिंग दर्शा रहे हैं। इस विश्व खुशहाली रिपोर्ट में बेमेल गणनाएं की गई हैं। इस सूची के तहत दुनिया की सबसे अधिक आबादी रखने वाले भारत और भारत की आबादी से एक फीसदी से भी बहुत कम आबादी रखने वाले देशों की जनसंख्या चुनौतियों व समस्याओं के मद्देनजर तुलनाएं करते हुए भी खुशहाली की गणना की गई है। प्रश्न यह है कि भारत जैसे दुनिया की बड़ी आबादी के साथ दुनिया के सातवें सबसे बड़े भूभाग रखने वाले भारत की तुलना दुनिया के छोटे-छोटे कम आबादी व कम चुनौतियां रखने वाले देशों से कैसे की जा सकती है? खुशहाली को महज आर्थिक प्रगति और संसाधनों की अधिकता के मद्देनजर देखा जाना उपयुक्त नहीं है।

जिन कई देशों को दुनिया के अधिक खुशहाल देश बताया गया है, वहां आबादी बहुत कम है, चुनौतियां भी बहुत कम हैं तथा धार्मिक विद्वेष भी नहीं हैं। ऐसे कई छोटे देशों की सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। ऐसे देशों की तुलना बड़ी-बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे विशाल देशों से कैसे की जा सकती है? इस वैश्विक खुशहाली सूची में भारत के संबंध में कुछ ऐसे विश्व स्तर पर चमकीले परिदृश्य को ध्यान में नहीं रखा गया है जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक सहित दुनिया के कई आर्थिक-सामाजिक संगठन अपने शोध पत्रों के आधार पर भारत में नए प्रयासों की सराहना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मानव विकास के तहत गरीबी में कमी लाने के प्रयास को भारी सफलता मिली है। पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। पूरी दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत आम आदमी को डिजिटल दुनिया से जोडने वाला दुनिया का प्रमुखतम देश है। भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। भारत में सरकार के द्वारा गरीबों व किसानों के बैंक खातों में सीधे 32 लाख करोड़ से अधिक धनराशि भेजकर उनका सशक्तिकरण किया गया है। चाहे खुशहाली की सूची में विभिन्न देशों की रैंकिंग अनुचित और अन्यायपूर्ण ढंग से की गई है, लेकिन हमें भारत में आम आदमी के आर्थिक कल्याण, आम आदमी की आमदनी बढ़ाने तथा खुशहाली के विभिन्न पैमानों पर बहुत आगे बढने के लिए अभी मीलों चलना है। हमें भारत में खुशहाली बढ़ाने व आय असमानता के बड़े अंतर को कम करने के लिए बड़े प्रयास करने हैं। 21 मार्च को प्रकाशित न्यूयार्क यूनिवर्सिटी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022-23 में भारत की कुल आय का 22.6 फीसदी हिस्सा सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के पास गया। वर्ष 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 39.5 फीसदी हिस्सा था, जबकि सबसे गरीब 50 फीसदी आबादी के पास केवल 6.5 फीसदी हिस्सा था। यह परिदृश्य बताता है कि भारत में असमानता बढ़ी है। स्टडी में कहा गया है कि भारत में संपत्ति टैक्स सिस्टम प्रतिगामी है, जिसका अर्थ है कि अमीर लोग अपनी संपत्ति के अनुपात में कम टैक्स दे रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बड़े निवेशों को फंड करने के लिए टैक्स शेड्यूल में बदलाव करके आय और धन दोनों को टैक्स योग्य बनाया जाना होगा। हमें देश में मानव विकास के विभिन्न पैमानों पर तेजी से आगे बढने पर ध्यान देना होगा। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) रिपोर्ट 2022 में भारत 193 में से 134वें स्थान पर है। यद्यपि भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की एचडीआई-2021 रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है।

भारत पिछले 34 वर्षों से 131 से 135वें स्थान पर झूल रहा है। एचडीआई का तात्पर्य मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों- लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा तक पहुंच और सभ्य जीवन स्तर में औसत उपलब्धियों के आकलन से है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने नए मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहा है। पिछले एक वर्ष में भारतीयों की औसत आमदनी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत में जीवन प्रत्याशा में शानदार वृद्धि हुई है। एक वर्ष पहले भारत में जीवन प्रत्याशा का औसत 62.2 था जो अब बढक़र 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी प्रगति प्रदर्शित की है। भारत में लिंग असमानता सूचकांक वैश्विक औसत से बेहतर है। हमें यह ध्यान रखना होगा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित देश बनाने के लिए सरकार के द्वारा आम आदमी की प्रतिव्यक्ति आय और खुशहाली बढ़ाने के लिए जो व्यय किए जाते हैं, वे उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जिस तरह सरकार के द्वारा बुनियादी ढांचे पर भारी निवेश लाभप्रद होता है। हम उम्मीद करें कि देश में करोड़ों लोगों की गरीबी, भूख, कुपोषण, डिजिटल शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, ग्रामीण युवाओं के तकनीकी प्रशिक्षण और स्वास्थ्य की चुनौतियों को कम करने के लिए सरकार रणनीतिक रूप से, हरसंभव तरीके से कारगर प्रयासों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

संपादक की कलम से

सियासी उत्कंठा में उत्पीडऩ

सवाल उपचुनावों में फिर हिमाचल के कद और सामथ्र्य से कहीं बड़े हो जाएंगे। हर चुनाव की अमानत में जनता के सरोकार खोटे हो जाते हैं या चलते हुए नेता खोटे सिक्के हो जाते हैं। भाजपा हो या कांग्रेस चुनावों की फेहरिस्त ने नेताओं के बोल छोटे कर दिए। भाव-भंगिमाओं के चुनाव में हिमाचल अब रहता ही कहां है। हम एक चुनावी कबीला कब बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता, लेकिन किसी को परिवारवाद, किसी को जातिवाद, किसी को क्षेत्रवाद और किसी को अब आलाकमान की सरकार बनानी है। नेता अब धरती पर कम पार्टियों की छाती पर मूंग दलते अधिक मिलते, लेकिन राजनीति के गुनाहों ने मित्रों की टोलियां बनाकर पलटवार शुरू कर दिए। हिमाचल की सियासत में विरासत का दर्द झलकता है, तो वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर का संसार दिखाई देता है। बदल गई है राज्य की संवेदना, सरोकार और दृष्टि। अब छोटे से हिमाचल के कई छोटे टुकड़े भटक रहे हैं, इसलिए कद में सियासत नहीं, पद में विरासत देखी जा रही है। परिदृश्य से कुछ नेताओं की कहानियां बार-बार याद दिलाती हैं कि स्वार्थसिद्धि के चलते प्रदेश कदमों में नहीं, घुटनों के बल चलने की कोशिश कर रहा है। संभावना अगर अतीत में श्यामा शर्मा के कालखंड में राजनीतिक विदाई को अवसर दे रही थी, तो याद करें वह दौर जब पंडित सालिग राम की पगड़ी पर प्रहार हुआ था। ठाकुर कर्म सिंह बनाम वाईएस परमार या वीरभद्र सिंह बनाम पंडित सुखराम के दौर से निकली राजनीतिक उत्कंठा में उत्पीडऩ बढ़ता रहा है।

उत्पीडऩ के शिलालेख इतनी बेदर्दी से लिखे जा रहे हैं कि हिमाचल का राजनीतिक इतिहास एक तरह के गुरिल्ला युद्ध में फंस कर रह गया है। अब बात ऊपरी और निचले हिमाचल की नहीं रही, नेताओं के व्यक्तिगत पंथ पर आधारित सियासत चलने लगी है। प्रेम कुमार धूमल सरकार की फांस बने विधायक आज अगर चकनाचूर हुए, तो सुक्खू सरकार के दरपेश फिर इसी तरह के मुकाबले के अवतार इस बार उपचुनाव बने हैं। राख हुए थे महल जहां सिंहासन रखे थे, आज के महाराजा अब कुर्सी के साथ नत्थी हैं। सत्ता के चुंबक ने सारा चरित्र खींच लिया, अब तो मंसूबों के द्वंद्व बिकते हैं। राजनीतिक हत्याओं के अंबार में दो नाम पूरी सियासत की कनपटी पर रखी बंदूक की तरह सदा सचेत करेंगे। भाजपा के डा. राजन सुशांत और कांग्रेस के मेजर विजय सिंह मनकोटिया के इर्द-गिर्द रहा राजनीतिक उफान बताता है कि कितने सिरकटे मजमून आहें भरते हैं। कभी जनता की निगाहों में ये नेता नायक बनकर उभरे, लेकिन सत्ता की राहों ने इन्हें खलनायक बना दिया। ये नेता हमने चुने, तो सत्ता के चुनाव में क्यों फनां हुए। रमेश धवाला भी हादसे का शिकार हुए तो इसलिए कि राजनीति का कर्मकांड अब चढ़ती सीढियों को उल्टा करने में माहिर है। ऐसे में उपचुनावों के फलक महज नतीजे नहीं, भविष्य की राजनीतिक फांस हैं।

वर्तमान सत्ता के कुल नौ दोषी हैं, जिनमें छह कांग्रेस के विधायक रहे हैं। इनमें दो बड़े नाम राजेंद्र राणा व सुधीर शर्मा हैं, तो उनके लिए अतीत के एहसास को जीना आसान नहीं। हिमाचल के चुनावों में कई समीकरण और कई उबाल हैं, लेकिन राजनीति का शीर्षासन अगर कहीं हो रहा है, तो धर्मशाला और सुजानपुर के विधानसभा हलके हमेशा याद किए जाएंगे। यह भाजपा की बढ़त से कहीं अधिक दो नेताओं की कुंडली में घुसे शैतान से मुकाबला है। उस फितरत से पुनः जंग है जो इससे पहले ठाकुर कर्म सिंह, पंडित सुखराम, सालिग राम, डा. राजन सुशांत और मेजर विजय सिंह मनकोटिया ने लड़ी थी। यह बाघ-बकरी का मुकाबला नहीं, बल्कि अग्नि और बारूद का युद्ध है। सुलगते मसले बारूदी चुनाव की छाती पर किस तरह युद्ध क्षेत्र को हथियाते हैं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन धर्मशाला-सुजानपुर के मैदान पर राजनीति अपने सबसे कठिन मोर्चे पर महाभारत लिख रही है।

ज्ञान

शव संवाद-38

पहली बार बुद्धिजीवी ने एक ऐसा परिंदा देखा जो वाकई पर नहीं मार रहा था। बुद्धिजीवी यह देख सोच में पड़ गया कि यह अपने पंख होते हुए भी आखिर उड़ क्यों नहीं पा रहा है, 'यह जरूर किसी से टकराया होगा। कहां टकराया होगा। अदालत के दरवाजे या संसद के गुंबद से।' देखने में परिंदा तंदरुस्त था। तरह-तरह की बोली बोल रहा था। हरकतें कर रहा था, लेकिन अपने पर नहीं खोल पा रहा था। पहली बार बुद्धिजीवी ने इनसान जैसी असमंजस किसी पक्षी में देखी। देश की असमंजस पक्षी पर इस कद्र भारी थी कि वह न कराह सकता था और न ही शिकायत कर सकता था। शिकायत करे भी तो किसकी और करे भी तो कहां। जहां इनसानों की शिकायतें मुर्दा हो रहीं, वहां पंछी की कौन सुनेगा। बुद्धिजीवी ने सहजता से उसके पर हिलाए। इस कार्य में वह सिद्धहस्त है। बचपन से दूसरों के पर हिलाते-हिलाते ही तो वह बुद्धिजीवी बना, वरना कभी अपने भी टटोल लेता। उसे याद है कि शिक्षा को सरकारों ने हर बार नए-नए पर लगाए, लेकिन आज तक यह पर नहीं मार सकी। बिना परों के उसने देश को उड़ते देखा। कितनी बार देखा कि नेताओं ने आसमान सिर पर उठाया है। उनके वजूद को जिंदा रखने के लिए पर दौड़ते रहे हैं और आज भी आसमान में पर ही पर हैं। वह एक पल पंछी को देखता, दूसरे पल आसमान में उड़ते पर देखता। यह परों का विश्वासघात था जो पंछी को उडऩे से वंचित करके, खुद आसमान पर थे। परों के ऊपर कितने ही नारे थे। दौड़ते पर बता रहे थे कि देश भी अब व्यक्ति है, नेता है, अभिनेता है, सपना है, ईश्वर है, जाति है, वर्ग है, धर्म है और जरूरत पडऩे पर सिर्फ अतीत में खड़ा रह सकता है। पर आपस में लड़ रहे थे, लेकिन देश की खातिर मर रहे थे। बुद्धिजीवी आश्चर्यचकित था कि जिस देश की सत्ता इतनी बुलंद है कि पंछी पर नहीं मार सकता, वहां पर बता रहे हैं उन्होंने इसे कैसे बुलंद किया। खैर बुद्धिजीवी प्रयास करके परों के झुंड से कुछ पंख छीनकर पंछी को पहनाने की कोशिश करने लगा, ताकि देश को उड़ाने वाले, उसे भी उड़ा दे, मगर ऐसा नहीं हो रहा था। जो पर किसी पंछी को नहीं उड़ा पा रहे थे, वे देश को सातवें आसमान पर पहुंचा रहे थे। यह देश वाकई कितना महान है, यह पंछी की हालत देखकर पता चल रहा था। देश में इतनी ताकत है कि पंछी को जमीन पर बैठा दे और किसी को भी आसमान पर उड़ा दे। बुद्धिजीवी ने तय कर लिया कि फिर से वह पंछी को आसमान पर और कटे परों को धरती पर लाएगा। वह संसद के समक्ष पंछी को पंखों पर उड़ाने की तरकीब पूछता है, तो भीतर से गृह मंत्री की आवाज आती है, 'देश चारों ओर से दुश्मनों से घिरा है, लेकिन हमारी सुरक्षा व्यवस्था के आगे कोई भी पंछी पर नहीं मार सकता। हमने समस्त सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी है और अगर किसी को शक है तो पंछियों का मुआयना करके देखें कि भारत में किस कद्र वे पंख नहीं मार सकते हैं।' तभी बुद्धिजीवी के हाथ में आया पंछी चीख उठा, 'मुझे यहां से दूर ले चलो। यहां सरकार की लाल आंख मुझे उडऩे नहीं देगी। जब से सरकार विदेशी ताकतों को लाल आंख दिखा रही है, पंछी पर मारना भूल रहा है। हमारी असमर्थता की वजह लाल आंख है।' बुद्धिजीवी ने तभी देखा कि 'लाल आंख' उसके पीछे आ रही है। पंछी सहित वह भी भागने लगा। उसके साथ हजारों कटे पर भी जान बचाकर भागने लगे। लाल आंख उन्हें वहीं छोड़ आई, जहां से वे चले थे। बुद्धिजीवी ने एक जिंदा पंछी के मरे हुए पर को उठाया और सोचा कि इसके शव का दहन कर मोक्ष प्राप्त करवाऊं। रास्ते में मरे हुए पर का शव बोला, 'जानते हो मैंने देश के लिए बलिदान दिया है।

मोदी की गारंटी बनाम कांग्रेस का न्याय

सुरेश हिंदुस्तानी

अब ज़ब लोकसभा चुनाव के मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दल अपने अपने बयानों में पैनापन लाने की क़वायद कर रहे हैं, तब यह तो कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव कई दलों के लिए आरपार की लड़ाई हो गई है।

लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच सभी राजनीतिक दल अपने अस्तित्व को प्रभावी बनाने के उद्देश्य को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इतना ही नहीं विपक्षी राजनीतिक दल केवल वर्तमान सत्ताधारी दल के विरोध पर ही अपना पूरा फोकस करते हुए चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा एक बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने जहां मोदी की गारंटी को प्रमुख हथियार बनाकर अपने मन में विश्वास बनाया है, वहीं अब कांग्रेस भी इसका अनुसरण करने की नीति अपना रही है। भाजपा की ओर से मोदी की गारंटी के बाद कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी पार्टी की 25 गारंटी जनता के सामने लाए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम देकर एक नई राह बनाने का काम किया है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव भी कांग्रेस ने न्याय देने के वादे पर ही लड़ा था, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए। हम जानते हैं कि भाजपा ने 2014 के चुनाव में भारत के चाय वालों के साथ गहरा संबंध स्थापित किया था, इसी प्रकार 2019 के चुनाव में कांग्रेस के चौक़ीदार चोर है के जवाब में "मैं भी चौक़ीदार" का नारा देकर गरीब तबके को अपने साथ जोड़ा था। इस चुनाव में मोदी की गारंटी भाजपा का नारा है। कांग्रेस ने भी गारंटी देने का वादा किया है, लेकिन जनता किसकी गारंटी को स्वीकार करती है, यह समय बताएगा।

मैं इस लेख को किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध के लिए नहीं लिख रहा हूँ, लेकिन जो सच है उसको लिखने से कोई आशय निकलता है तो भले ही निकले, लेकिन उसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि एक बार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने कांग्रेस की योजनाओं की नाकामी को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था कि सरकार गरीब जनता तक जो लाभ पहुंचाती है, उसका मात्र 15 प्रतिशत ही पहुँच पाता था। इसका आशय यह भी है कि 85 प्रतिशत राशि या तो कमीशन खोरी में जाता था या प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता था। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि कांग्रेस के शासन काल में हर शासकीय योजना भ्रष्टाचार का शिकार हुई। इसके विपरीत वर्तमान केंद्र सरकार में कम से कम इतना तो हुआ ही है कि गरीब तक पहुँचने वाला लाभ बिना किसी बिचौलिए के पात्र व्यक्ति को ही शत प्रतिशत मिल रहा है। यानी अब योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के पूरी हो रही हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से दी जाने वाली गारंटी निश्चित ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल में बढ़ोत्तरी करेगी। क्योंकि अब उनके पास भी जनता के बीच अपनी योजनाएं रखने के लिए मौका है। कांग्रेस के यह बात भी एक संजीवनी का कार्य कर रही है कि उसके नेता राहुल गांधी जनता के बीच जाने के लिए बहुत तेजी से सक्रिय होते जा रहे हैं। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कांग्रेस को केवल मोदी विरोध की राजनीति से तौबा करना चाहिए, उसे केवल जनता के बीच जाकर अपने वादे बताकर जनता से संबंध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। मोदी की शैली यही है कि

वह जनता की भावना के अनुसार ही अपना भाषण देते हैं। इसके अलावा राहुल गांधी कभी कभी पटरी से उतरते दिखाई देते हैं।

कांग्रेस की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र में न्याय देने की बात कही गई है। साथ ही जातिगत जनगणना करने का भी वादा किया गया है। हो सकता है जातिगत जनगणना का वादा कांग्रेस के लिए लाभकारी साबित हो, लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इस मुद्दे पर भारत की पूरी जनता आँख बंद करके समर्थन करने के लिए आगे आ जाए। क्योंकि जो संस्थान या व्यक्ति समाज को एक करने के लिए प्रयास कर रहीं हैं, उनको कांग्रेस का यह वादा न्यायसंगत नहीं लग रहा होगा। यह बात सही है कि आज समाज बदल रहा है। वह जातिगत समाज के बाहर आकर भारतीय समाज यानी एकत्रित समाज होने की दिशा में बढ़ रहा है। ऐसे में यह भी कहा जा सकता है कि कांग्रेस का यह कदम समाज में विभाजन की लकीर खींचने का काम कर सकता है।

इस देश के अनेक चुनावों में यह देखने को मिला है कि विपक्षी दल महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरने का अभियान सा चलाते थे। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में मेहंगाई के मुद्दे को उछालकर कांग्रेस की नींद हराम कर दी थी, इसी प्रकार बोफोर्स मामले को मुद्दा बनाकर विपक्ष ने चुनाव लड़ा, जिसमें राजीव गांधी की सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। आज विपक्ष के पास सरकार के विरोध में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिस पर सरकार को घेरा जा सके। इसके विपरीत सत्ता पक्ष की ओर से विपक्ष पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह राजनीति की दशा और दिशा को बदलने वाला दृश्य कहा जा सकता है। यह पहला चुनाव कहा जा सकता है, जिसमें सत्ता पक्ष विपक्ष को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घर रहा है। विपक्ष के कुछ दल इस मामले में मौन साधे हुए हैं, क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं, वे या उनके साथी उनके साथ हैं। इससे यह भी साफ संकेत जाता है कि भ्रष्टाचार के विरोध में विपक्ष की कोई योजना नहीं है। मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में एक भी भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, जबकि विपक्ष आज भी आरोप लग रहे हैं। कई तो जमानत पर बाहर हैं।

अब ज़ब लोकसभा चुनाव के मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दल अपने अपने बयानों में पैनापन लाने की क़वायद कर रहे हैं, तब यह तो कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव कई दलों के लिए आरपार की लड़ाई हो गई है। जो राजनीतिक दल सत्ता सुख से लम्बे समय से दूर हैं, वह बेचैन से हो रहे हैं। हालांकि यह भी एक बड़ा सच है कि सत्ता पक्ष को निरंकुश होने से बचाने के लिए मजबूत विपक्ष का होना बहुत आवश्यक है, लेकिन यह भी सत्य है कि विपक्ष को मजबूत करने के लिए सत्ता पक्ष की ओर से प्रयास नहीं किए जाते। इसके लिए स्वयं विपक्ष को ही प्रयास करना होगा। विपक्ष की ओर से यह भी आरोप लगाया जाता है कि केंद्र सरकार विपक्ष को कमजोर कर रही है, ऐसा आरोप लगाना विपक्ष की कमजोरी को ही दर्शाता है। इसलिए विपक्ष को अब एक ताकत के रूप में अपने आपको प्रस्तुत करना होगा।

-सुरेश हिंदुस्तानी,

रामलला के अभूषणों का अंक ज्योतिष से है खास कनेक्शन

अनन्या मिश्रा

प्रभु राम की नगरी अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बेहद धूमधाम से मनाया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामलला को जो आभूषण पहनाए गए हैं, उनका रत्नों का ज्योतिष से कनेक्शन है।

प्रभु राम की नगरी अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बेहद धूमधाम से मनाया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामलला को जो आभूषण पहनाए गए हैं, उनका रत्नों का ज्योतिष से कनेक्शन है। आपको बता दें कि ज्योतिषाचार्यों ने रामलला के गहनों को अंक ज्योतिष से जोड़कर उनकी गणना प्रस्तुत की है। जिसमें रामलाल द्वारा पहने गए रत्नों के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। ऐसे में अगर आप भी इन रत्नों के ज्योतिष कनेक्शन के बारे में जानना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामलला के आभूषणों में 3,6,9, 12 जैसे विभिन्न शुभ अंक शामिल हैं। यह सभी हर अलग-अलग पहलु को दर्शाने का काम करते हैं। इन गहनों के जटिल विवरण पर भी प्रकाश डाला गया है। इनमें इस्तेमाल किए गए सोने, पन्ने और हीरे आदि का वजन शामिल है। वहीं रामलला के दिव्य मुकुट के बारे में भी अंक ज्योतिष में विस्तार से वर्णन किया गया है और इसमें प्रतीकवाद पर भी जोर दिया गया है।

रामलला की मूर्ति और आभूषण

रामलला की मूर्ति 51 इंच की है। यदि आप 5+1 करते हैं तो यह 6 होता है।

इसके अलावा रामलला के आभूषण बनाने में 51 किलोग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया है। 5+1=6

रामलाल के पूरे आभूषणों में 18,000 कैरेट के पन्ने और हीरे का मिश्रण है। 1+8=9

वहीं रामलला ने जो दिव्य मुकुट धारण किया है, यह 1.71 किलोग्राम और 22 कैरेट सोने का है। 1+7+1=9

पारखी और बारीक नजर से चुने गए रामलला के ताज में 261 कैरेट माणिक्य लगे हैं, जिससे ताज को एक अद्वितीय चमक मिलती है। 2+6+1=9

रामलला का मुकुट सूर्यदेव की छवि से सुशोभित है। साथ ही यह सूर्यवंशियों के शाही वंश को भी दर्शाने का काम करता है। तो यदि आप ध्यान दें तो एक साल में सूर्य के 12 दिव्य रूप होते हैं।

उनके मुकुट में 75 कैरेट के बारीक हीरे जड़े हैं। 7+5=12

इसके साथ रामलला के क्राउन में एक विशेष खदान के 174 बढ़िया पानी के जाम्बियन पन्ने हैं। 1+7+4=12

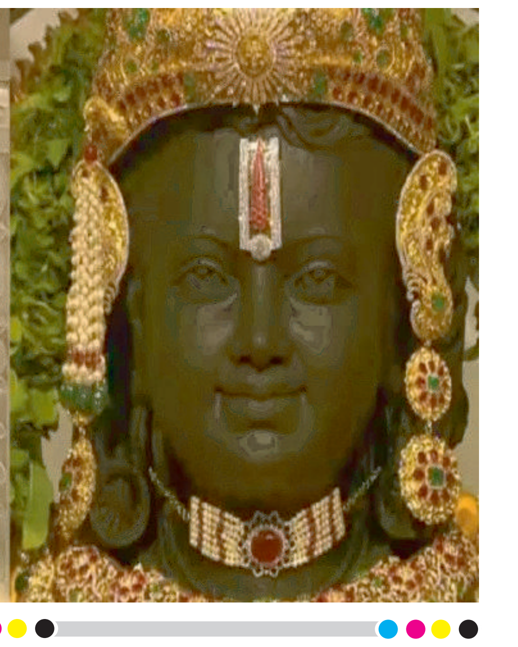

भारतीय सीईओ के औसत वेतन में भारी बढ़ोतरी, कोविड-19 महामारी के बाद 40 फीसदी तक बढ़ी सैलरी

परिवहन विशेष न्यूज

किसी भी कंपनी में सीईओ का पद बहुत जरूरी होता है। ऐसे में कई लोगों के मन में सीईओ की सैलरी को लेकर सवाल होते हैं। भारतीय सीईओ की सैलरी को लेकर डेलॉइट (Deloitte) ने एक रिपोर्ट पेश किया। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में सीईओ का औसत वेतन 13 .8 करोड़ रुपये है। यह कोविड-19 से पहले की तुलना में 40 फीसदी अधिक है।

नई दिल्ली। किसी भी कंपनी के सीईओ के पास कंपनी की बड़ी जिम्मेदारी होती है। ऐसे में कई लोग यह भी जानने में इच्छुक रहते हैं कि आखिर सीईओ की सैलरी कितनी होती है।

भारतीय सीईओ यानी चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर की सैलरी को लेकर डेलॉइट ने एक रिपोर्ट पेश किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में सीईओ का औसत वेतन 13.8 करोड़ रुपये है। यह कोविड-19 से पहले की तुलना में 40 फीसदी अधिक है। इसमें से आधे से ज्यादा हिस्सा शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म इंसेंटिव है।

डेलॉइट इंडिया एक्जीक्यूटिव परफॉर्मेंस एंड रिवाड्र्स सर्वे 2024 (Deloitte India Executive Performance and Rewards Survey 2024) के अनुसार, सीईओ का औसत कंपनसेशन 13.8 करोड़ रुपये है। इसमें सीईओ प्रमोटर या प्रमोटर परिवार के सदस्य भी थे। इन्हें औसतन 16.7 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है।

प्रमोटर सीईओ का कंपनसेशन पेशेवर सीईओ के कंपनसेशन से ज़्यादा है। कुल मिलाकर प्रमोटर सीईओ के लंबे कार्यकाल के कारण प्रमोटर सीईओ की तुलना में पेशेवर सीईओ अधिक बार बदलते हैं।

डेलॉइट इंडिया के पार्टनर, सीएचआरओ प्रोग्राम लीडर, आनंदोरूप घोष ने कहा

यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि प्रमोटर सीईओ कंपनसेशन की सीमा बहुत व्यापक है। कई बड़ी भारतीय कंपनियां प्रदर्शन शेयरों की ओर ध्यान दे रही हैं और विभिन्न कर्मचारी समूहों के लिए कई प्रोत्साहन योजनाओं का उपयोग कर रही हैं।

डेलॉइट के रिपोर्ट के मुताबिक सीईओ कंपनसेशन में वृद्धि हुई है। यह लक्ष्य कंपनसेशन का 50 प्रतिशत से अधिक 'Pay At Risk' है। पेशेवर सीईओ के लिए 57 प्रतिशत पर जोखिम भुगतान, प्रमोटर सीईओ के लिए 47 प्रतिशत की तुलना में बहुत अधिक है।

पेशेवर सीईओ को उनके लक्ष्य कंपनसेशन का 25 प्रतिशत दीर्घकालिक प्रोत्साहन के माध्यम से दिया जाता है। कई कंपनियों के लिए शेयर-लिंक्ड प्रोत्साहन के माध्यम से भुगतान किया जाता है।

डेलॉइट के अनुसार भारत में सीईओ कंपनसेशन में उच्च-एकल-अंकीय वार्षिक वृद्धि दर देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्यम और औसत सीईओ कंपनसेशन के बीच व्यापक अंतर (9.3 करोड़ रुपये बनाम 13.8 करोड़ रुपये) कंपनसेशन की संख्या की विस्तृत श्रृंखला और उच्च स्तर पर कुछ आउटलेर्स को इंगित करता है।

सीईओ और सीएक्सओ के प्रदर्शन का आकलन करते समय अधिकांश कंपनियां एक समग्र स्कोरकार्ड का उपयोग करती हैं जिसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय मैट्रिक्स और लक्ष्यों का मिश्रण शामिल होता है। हालाँकि, सीईओ और सीएक्सओ के लिए प्रोत्साहन अभी भी उन स्कोरकार्ड के भीतर वित्तीय कंपनी-स्तरीय लक्ष्यों की ओर झुका हुआ है।

डेलॉइट ने कहा कि शेयर-आधारित प्रोत्साहनों का उपयोग करने वाली कंपनियों का प्रतिशत बढ़ रहा है।

डेलॉइट इंडिया एक्जीक्यूटिव परफॉर्मेंस एंड रिवाड्र्स सर्वे का पांचवां संस्करण सितंबर 2023 में लॉन्च किया गया था। इस बी2बी भारत-विशिष्ट सर्वेक्षण में 400 से अधिक संगठनों ने भाग लिया, जिसमें कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी शामिल नहीं थी।

यूट्यूबर पर चला सेबी का चाबुक; 12 करोड़ रुपये जब्त करने का आदेश, मार्केट से भी किया बैन

परिवहन विशेष न्यूज

यूट्यूबर रवींद्र भारती और उनकी पत्नी शुभांगी ने 2016 में रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टिट्यूट प्राइवेट लिमिटेड (RBEIPL) की नींव रखी थी। रवींद्र के दावे के मुताबिक- उनकी कंपनी लोगों को शेयर बाजार में निवेश का तरीका सिखाती थी। लेकिन सेबी ने अपनी जांच में पाया कि रवींद्र की कंपनी अपनी सलाह से निवेशकों को गुमराह करती थी। यह निवेशकों को 1000 प्रतिशत तक के रिटर्न का लालच दे रही थी।

नईदिल्ली। सोशल मीडिया पर कई इन्फ्लुएंसर अक्सर लोगों को तगड़े मुनाफे का लालच देकर शेयर मार्केट में निवेश करने की सलाह देते हैं। बहुत से लोग उनकी बातों में आकर निवेश कर देते हैं और बाद में उन्हें भारी नुकसान होता है। इस तरह के मामलों को लेकर मार्केट रेगुलेटर सेबी (SEBI) काफी सख्त रहता है। उसने ऐसे ही एक मामले में यूट्यूब 'इंफ्लूएंसर' रवींद्र बालू भारती की अगुवाई वाले रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टीट्यूट के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है।

मार्केट से बैन, 12 करोड़ का जुर्माना

सेबी ने रवींद्र बालू और उनके इंस्टीट्यूट को कैपिटल मार्केट में निवेश करने से बैन कर दिया है। साथ ही, उन्हें 12 करोड़ रुपये लौटाने का भी आदेश दिया है, जो उन्होंने गैरकानूनी तरीके से कमाए थे।

यह रकम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के एस्क्रो खाते जमा होगी, जिसे इसी मकसद के लिए खोला गया है। सेबी ने रवींद्र बालू की पत्नी शुभांगी रवींद्र भारती और उनके इंस्टीट्यूट के निदेशकों- राहुल अनंत गोसावी और धनश्री चंद्रकांत गोसावी को भी प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। ये लोग अब किसी भी रजिस्टर्ड मध्यस्थ से नहीं जुड़ सकेंगे।

क्या किया था यूट्यूबर ने?

रवींद्र भारती और उनकी पत्नी शुभांगी ने 2016 में रवींद्र भारती एजुकेशन इंस्टिट्यूट प्राइवेट लिमिटेड (RBEIPL) की नींव रखी थी। रवींद्र के दावे के मुताबिक- उनकी कंपनी लोगों को शेयर बाजार में निवेश का तरीका सिखाती थी। लेकिन, सेबी ने अपनी जांच में पाया कि रवींद्र की कंपनी अपनी सलाह से लोगों को गुमराह करती थी। यह निवेशकों को 1,000 प्रतिशत तक के रिटर्न का लालच दे रही थी, जिसका कोई तुक ही नहीं था।

Sebi ने क्या कहा?

सेबी का कहना है कि पिछले कुछ समय से भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त तेजी से बढ़ रहा है। छोटे निवेशकों का भी मार्केट पर भरोसा बढ़ा है। इसका फायदा उठाने के लिए बहुत से लोग भारी रिटर्न दिलवाने का लालच देकर भोलेभाले निवेशकों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। निवेशकों को ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है।

सेबी ने कहा कि पारदर्शिता और स्पष्टीकरण बाजार के स्तंभ हैं। और इन दोनों के सहारे ही निवेशकों के पैसों और हितों की सुरक्षा की जा सकती है, तभी उनका बाजार पर भरोसा बना रहेगा।

आपकी EMI कम नहीं हो रही, कहीं जलवायु परिवर्तन तो नहीं इसकी वजह?

आरबीआई की मौद्रिक नीति रिपोर्ट- अप्रैल 2024 में कहा गया है कि वैश्विक औसत तापमान बढ़ रहा है। साथ ही एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स (EWE) में भी बढ़ोतरी हुई। इसका और ग्लोबल वार्मिंग का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव तेजी से सामने आ रहा है। इसके चलते केंद्रीय बैंक को अपनी मौद्रिक नीति में बदलाव करके जनता को राहत देने में दिक्कत हो रही है।

मुंबई। रिजर्व बैंक का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के चलते लगातार होने वाले मौसम में असामान्य बदलाव मौद्रिक नीति के लिए चुनौती पैदा करते हैं। साथ ही, इससे आर्थिक विकास के मोर्चे पर जोखिम भी पैदा होता है। आरबीआई की मौद्रिक नीति रिपोर्ट- अप्रैल 2024 में कहा गया है कि वैश्विक औसत तापमान बढ़ रहा है। साथ ही, एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स (EWE) में भी बढ़ोतरी हुई। इसका और ग्लोबल वार्मिंग का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव तेजी से सामने आ रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन से मौसम के असामान्य झटके लगने का सिलसिला बढ़ गया है। इससे मौद्रिक नीति के लिए चुनौती खड़ी हो गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जब मौसम में कोई असामान्य बदलाव होता है, तो उसका बड़ा व्यापक असर पड़ता है। कृषि उत्पादन घट जाता है और सप्लाई चेन पर बुरा असर पड़ता है। इससे महंगाई बढ़ती है।

हर जगह एआई का जलवा, पर निवेश के मामले में कितनी भरोसेमंद इसकी सलाह?

AI ने कुछ ही समय में इंसानों के रहन-सहन से लेकर कामकाज का तरीका बदल दिया है। हर छोटे-बड़े काम में एआई का इस्तेमाल होने लगा है। वेयरेबल टेक्नोलॉजी से डिजिटल और फिजिकल वर्ल्ड के दरम्यान फर्क खत्म होता नजर आ रहा है। ड्राइवरलेस कार हकीकत बनने की कगार पर है। अब सवाल उठता है कि क्या AI निवेश की सलाह देकर निवेशकों मालामाल कर सकता है?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अमूमन इंसानी काम की नकल करने की कोशिश करता है। कई मामलों में यह इंसानों से आगे है, तो कुछ में पीछे भी है। अगर निवेश की बात करें, तो यह काम बड़े पैमाने पर डेटा के इर्द-गिर्द ही घूमता है, जिसमें AI को महारत हासिल है। यह वर्षों पुराने डेटा की तुलना करके बता सकता है कि किसी कंपनी के शेयर का रिटर्न देने का पैटर्न कैसा है और वह आगे चलकर कितना रिटर्न दे सकती है।

नई दिल्ली। आज हर क्षेत्र में AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का बोलबाला है। प्रोफेशनल लाइफ से लेकर रोजमर्रा के कामकाज में इसका इस्तेमाल हो रहा। यह ऑफिस में डेटा का हिसाब-किताब रख रहा, तो रेस्टोरेंट में खाना परोसने वाले रोबोट का दिमाग भी यही है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या AI निवेश की सलाह देने जैसा जटिल काम भी कर सकता है। आइए इसका जवाब जानने की कोशिश करते हैं।

दुनिया बदल रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

AI ने कुछ ही समय में रहन-सहन से लेकर कामकाज का तरीका बदल दिया है। शॉपिंग से लेकर इन्वेस्टमेंट तक में इसका दखल है। वेयरेबल टेक्नोलॉजी से डिजिटल और फिजिकल वर्ल्ड के दरम्यान फर्क खत्म होता नजर आ रहा है। ड्राइवरलेस कार हकीकत बनने की कगार पर है।

जिन क्षेत्रों में अभी AI नहीं है, उसमें भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह कुछ समय में अपना दबदबा बना लेगी।

निवेश की सलाह भी दे पाएगा AI?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अमूमन इंसानी काम की नकल करने की कोशिश करता है। कई मामलों में यह इंसानों से आगे है, तो कुछ में पीछे भी है। अगर निवेश की बात करें, तो यह काम बड़े पैमाने पर डेटा के इर्द-गिर्द ही घूमता है, जिसमें AI को महारत हासिल है।

यह वर्षों पुराने डेटा की तुलना करके बता सकता है कि किसी कंपनी के शेयर का रिटर्न देने का पैटर्न कैसा है और वह आगे चलकर कितना रिटर्न दे सकती है। लेकिन, क्या शेयर बाजार या किसी और सेक्टर में निवेश के लिए इतना पर्याप्त है? जवाब जाहिर तौर पर है, नहीं।

AI की हद क्या है?

ब्रिटिश डेटा साइंटिस्ट क्लाइव हंबी ने साल 2006 में कहा था, 'डेटा नया तेल है।' लेकिन, आपको ऑयल को शुद्ध करना पड़ता है। ठीक यही चीज डेटा के साथ भी है। अगर कोई इंसान या मशीन गलत डेटा उपलब्ध कराती है, तो उसके नतीजे बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

2008 की आर्थिक मंदी के वक्त हम इसका नतीजा देख भी चुके हैं। उस वक्त एक कॉम्प्लेक्स फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स का यूज होता था, कोलैटराइज्ड डेट ऑब्लिगेशन (CDO)। लेकिन, वह कर्ज से जुड़े जोखिम को ठीक से समझ नहीं पाया। लिहाजा, अमेरिका का पूरा हाउसिंग मार्केट की तबाह हो गया।

क्या AI से बेहतर हैं इंसान?

हर निवेश के साथ कई अन्य तरह के जोखिम भी जुड़े होते हैं। शेयर बाजार की ही मिसाल लीजिए, तो यह काफी संवेदनशील होता है। अगर किसी दूसरे में भी कोई संकट आता है, तो यह काफी तेजी से रिएक्ट करता है। इस बदलाव का आकलन इंसान तो कर सकता है, लेकिन AI जैसी टेक्नोलॉजी के लिए मुश्किल है।

यहां तक कि कई निवेशकों के सेंटिमेंट से बाजार में उतार-चढ़ाव आ जाता है। उसमें डेटा का कोई खास रोल नहीं होता। इस तरह की चीजों को भी भांपना भी एक मशीनी सिस्टम के लिए मुश्किल है। वहीं, इंसान इस तरह के मामलों में अपनी समझ से बेहतर फैसले ले सकता है।

इंसान-AI का तालमेल देगा बेहतर नतीजा

फिलहाल के लिए तो AI से निवेश लेना काफी जोखिम भरा होगा। बेशक, यह टेक्नोलॉजी इंसानों को निवेश से जुड़े बेहतर फैसले लेने में मदद कर सकती है। लेकिन, निवेश से जुड़ी भरोसेमंद सलाह नहीं दे सकती।

एपल के फाउंडर स्टीव जॉब्स ने भी कहा था, 'टेक्नोलॉजी कुछ भी नहीं है। आप बस इंसानों को बेहतर टूल दीजिए, वे आपको शानदार नतीजे देंगे।' यही चीज AI के साथ भी है।

AI इंसान को डेटा दे सकता है। वहीं, इंसान बाजार की भावनाओं और व्यवहार को समझ कर निवेश से जुड़े बेहतर फैसले ले सकता है। मतलब कि इंसान का अभी के लिए AI से सिर्फ डेटा लेना फायदेमंद रहेगा। निवेश के लिए पूरी तरह से AI की सलाह काफी जोखिम भरी साबित हो सकती है।

इस वित्तीय संस्थान में एफडी पर मिलेगा बाकी की तुलना में ज्यादा फायदा, जानें अब कितना मिलेगा ब्याज

कई लोग बिना जोखिम के निवेश करना पसंद करते हैं। ऐसे में फिक्सड डिपॉजिट काफी अच्छा ऑप्शन है। आज एफडी स्कीम में निवेश करने वालों के लिए गुड न्यूज है। बजाज फाइनेंस (Bajaj Finance) ने एफडी की दरों में 60 आधार अंक (बीपीएस) की बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई दरें 3 अप्रैल 2024 से लागू हो गई हैं।

नई दिल्ली। बिना रिस्क के निवेश करने के लिए एफडी भी बहुत अच्छा ऑप्शन है। आज एफडी में निवेश करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है।

आज बजाज फिनसर्व (Bajaj Finserv) की सहायक कंपनी बजाज फाइनेंस (Bajaj Finance) ने एफडी की दरों में 60 आधार अंक (बीपीएस) तक की बढ़ोतरी का एलान किया है।

बता दें कि बजाज फाइनेंस एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। बैंक की नई एफडी रेट 3 अप्रैल 2024 से लागू हो गई है।

कितने टेन्योर पर बढ़ा कितनी बीपीएस

कंपनी ने सीनियर सिटीजन के लिए 25-35 महीने के टेन्योर वाले एफडी रेट में 60 बीपीएस की बढ़ोतरी की है। वहीं, 18-24 महीने के टेन्योर वाले एफडी में 40 बीपीएस प्वाइंट की वृद्धि हुई है।

बजाज फाइनेंस ने आम जनता के एफडी रेट में भी बढ़ोतरी की है। 25-35 महीने के टेन्योर वाले एफडी पर 45 बीपीएस बढ़ाया गया है, जबकि 8 और 22 महीने की टेन्योर वाले एफडी में 40 आधार अंक और 30 और 33 महीने की अवधि में 35 आधार अंक तक की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने नए एफडी रेट को लेकर एक प्रेस रिलीज जारी किया है।

अगर सिनियर सिटिजन 42 महीने के टेन्योर वाले एफडी की डिजिटल बुकिंग करते हैं तो उन्हें 8.85 प्रतिशत तक की एफडी दरों का लाभ उठा सकते हैं। वहीं आम जनता को इस एफडी पर 8.6 प्रतिशत का ब्याज मिलेगा।

बजाज फाइनेंस ने कहा कि कंपनी 31 मार्च, 2024 तक 60,000 करोड़ रुपये से अधिक की डिपॉजिट बुक के साथ देश की सबसे बड़ी जमा लेने वाली एनबीएफसी के रूप में उभरी है।

सोने का रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी, 350 रुपये बढ़कर नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा भाव

2024 में सोने के दाम में अब तक 7700 रुपये का उछाल आ चुका है। पिछले कारोबारी सत्र में यह 71350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। विदेशी बाजारों में सोने की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि भारत में निवेशक इसे बड़े पैमाने पर खरीद रहे हैं। सोमवार को गोल्ड में 350 रुपये का उछाल आया।

नई दिल्ली। सोने (Gold) की कीमतों में लगातार उछाल दिख रहा है। सोमवार को गोल्ड में 350 रुपये का उछाल आया और यह 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। HDFC सिक्योरिटीज के मुताबिक, वैश्विक बाजार में डिमांड बढ़ने से पीली धातु का दाम रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचा है।

2024 में सोने की शानदार चमक

इस साल यानी 2024 में सोने के दाम में अब तक 7,700 रुपये का उछाल आ चुका है। पिछले कारोबारी सत्र में यह 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। HDFC सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी का कहना है कि विदेशी बाजारों में सोने की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि भारत में निवेशक इसे बड़े पैमाने पर खरीद रहे हैं।

चांदी का क्या हाल है?

चांदी में भी सोने की तरह 800 रुपये का तेज उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी में एक किलो चांदी का भाव फिलहाल 84,000 रुपये तक पहुंच गया है। पिछले ट्रेड में यह 83,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, COMEX पर सोना हाजिर 2,336 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 7 अमेरिकी डॉलर अधिक है।

अमेरिकी जॉब रिपोर्ट नजरअंदाज

अमेरिका में बेहतर जॉब रिपोर्ट आई है, लेकिन कारोबारियों ने उस ध्यान नहीं दिया। उनका फोकस सर्राफा बाजार पर ही रहा, जिसमें पिछले काफी वक्त तेजी दिख रही है। यही वजह है कि सोने का भाव नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया है।

क्यों बढ़ रहा सोने का भाव?

दरअसल, भारत समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ब्याज दरों में बदलाव की आशंका के बीच निवेशक भी सोने को ज्यादा तवज्जो दे रहे, जिसे सुरक्षित निवेश माना जाता है।

हालांकि, एक्सपर्ट का मानना है कि अगर चीजें सामान्य रहीं, तो निकट भविष्य में सोने के भाव में मामूली गिरावट आएगी। और यह 69,500 रुपये के स्तर आ सकता है।

बंधन बैंक के CEO के इस्तीफे की खबर ने निवेशकों को रुलाया, शेयरों में आई बड़ी गिरावट

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी जेफरीज ने बंधन बैंक के शेयर का टारगेट प्राइस 40 प्रतिशत तक घटा दिया। उसने बैंक की रेटिंग को भी Buy से डाउनग्रेड करके अंडरपरफॉर्म कैटेगरी में डाल दिया। पहले उसने बंधन बैंक के लिए 290 रुपये का टारगेट प्राइस रखा था लेकिन अब इसे घटाकर 170 रुपये कर दिया है। यह सब बंधन बैंक के सीईओ चंद्रशेखर घोष के इस्तीफे की खबर के बाद हुआ है।

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के बंधन बैंक (Bandhan Bank) के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट आई। दरअसल, Bandhan Bank के फाउंडर और सीईओ चंद्रशेखर घोष ने इस्तीफा दे दिया है। इससे निवेशकों को लगा कि बैंक सही प्रदर्शन नहीं कर रहा। लिहाजा, उन्होंने जमकर बिकवाली की। शुरुआती कारोबार में यह 9 फीसदी टूट गया था। लेकिन, बाद में थोड़ी रिकवरी हुई और यह 6.21 प्रतिशत गिरकर 185.10 रुपये पर बंद हुआ।

9 जुलाई को रिटायर होने वाले थे सीईओ

चंद्रशेखर घोष (Chandra Shekhar Ghosh) 9 जुलाई २०२४ को रिटायर होने वाले थे। लेकिन, उन्होंने उससे पहले ही बोर्ड को अपना इस्तीफा भेज दिया है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी जेफरीज ने बंधन बैंक के शेयर का टारगेट प्राइस 40 प्रतिशत तक घटा दिया। उसने बैंक की रेटिंग को भी Buy से डाउनग्रेड करके अंडरपरफॉर्म कैटेगरी में डाल दिया।

ट्रेन नहीं तूफान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय रेल पिछले कुछ वर्षों से यात्रियों को बेहतरीन सुविधाओं के साथ यात्रा करने का अनुभव प्रदान करने के लिए प्रयासरत है. इस क्रम में एक तरफ जहां ट्रेनों की औसत रफ्तार बढ़ाई गई है, वहीं दूसरी तरफ हाई-स्पीड ट्रेनों का परिचालन भी क्रमबद्ध तरीके से शुरू किया गया है. इसकी पहली कड़ी में वंदे भारत सेमी हाई-स्पीड ट्रेन का संचालन शुरू किया गया है.

प्रीमियम वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन देश के विभिन्न मार्गों पर हो रहा है. यात्री इससे यात्रा करने का लुत्फ भी उठा रहे हैं. इसी क्रम में आज बात करते हैं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (NDLS) से चलकर वाराणसी जंक्शन (BSB) तक जाने वाली तूफान मेल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन। दिल्ली से धर्मनगरी काशी की दूरी 759 किलोमीटर है. पहले इस दूरी को तय करने में 12 से 14 घंटे तक का वक्त लगता था. वंदे भारत का परिचालन शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों के बीच की दूरी महज 8 घंटों में पूरा करना संभव हो सका है. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करते ही यह ट्रेन तूफान की तरह लहराते हुए पटरियों पर दौड़ने लगती है. दिल्ली के बाद यह ट्रेन सीधे कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर जाकर ठहरती है. इस तरह दिल्ली-काशी वंदे भारत ट्रेन का पहला स्टॉपेज 441 किलोमीटर के बाद है. इस बीच यह ट्रेन नॉनस्टॉप दौड़ती रहती है.

सिर्फ दो स्टॉपेज दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन (ट्रेन संख्या 22436 और अप में 22435) देश की राजधानी से प्रस्थान करते ही रॉकेट की गति से पटरियों पर दौड़ने लगती है. सेमी हाई-स्पीड ट्रेन पलभर में आंखों से ओझल हो जाती है. नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करने के बाद यह ट्रेन सीधे कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर ठहरती है. कानपुर सेंट्रल से प्रस्थान करने के बाद वंदे भारत सीधे प्रयागराज जंक्शन पर रुकती है. इस दौरान यह ट्रेन 194 किलोमीटर की दूरी बिना किसी स्टॉपेज के तय करती है. प्रयागराज के बाद यह ट्रेन सीधे अपने गंतव्य स्टेशन वाराणसी जंक्शन पर ठहरती है. बता दें कि दल्लिी से वाराणसी की कुल दूरी 759 किलोमीटर है. नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन यह दूरी महज 8 घंटे में तय कर लेती है.

रेलवे के प्रयास से बढ़ी है औसत रफ्तार भारतीय रेल ट्रेनों की रफ्तार को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है. इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जा रहा है. पटरियों और ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है. रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में पटरियों को दुरुस्त करने पर काफी काम किया है. रेलवे ट्रैक को दुरुस्त किया गया है, ताकि उसे हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए अनुकूल बनाया जा सके. साथ ही एंटी कॉलीजन डिवाइस भी इंस्टॉल किया जा रहा है, जिससे ट्रेन हादसों में कमी लाई जा सके. वंदे भारत ट्रेनों में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कोच का इस्तेमाल किया जा रहा है.

जंगल सफारी प्रबंधन द्वारा दिनांक 09/04/2024 से सफारी पर्यटन अंतर्गत जंगल सफारी एवं जू में भ्रमण हेतु प्रवेश का समय सुबह 7:00 बजे से 4:00 बजे तक किया

नया रायपुर स्थित नंदनवन जू और सफारी में मैमल्स और रेप्टाइल्स सहित कुल 37 वन्यजीव प्रज़ातियों का खूबसूरत आशियाना है। जंगल सफारी प्रबंधन द्वारा सफारी पर्यटन में बेहतर अनुभव दिलाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है जंगल सफारी के डायरेक्टर धम्मशील गणवीर ने बताया कि नंदनवन जंगल सफारी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है और जंगल सफारी प्रबंधन द्वारा वन्यजीव संरक्षण और पर्यटन विकास में सतत प्रयास किए जा रहे है। नया रायपुर स्थित नंदनवन जू सफारी में ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए और पर्यटकों वन्यजीवों को देखने का बेहतर अनुभव मिलने के लिए जंगल सफारी प्रबंधन द्वारा दिनांक 09/04/2024 से सफारी पर्यटन अंतर्गत जंगल सफारी एवं जू में भ्रमण हेतु प्रवेश का समय सुबह 7:00 बजे से 4:00 बजे तक किया गया है।

मांगे ना माने जाने पर 16 अप्रैल को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भारी प्रदर्शन का आहवान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने उत्तर प्रदेश के जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारियो द्वारा इलेक्शन ड्यूटी में इस्तेमाल के लिए टूरिस्ट बसों को बगैर पैसे दिए इस्तेमाल करने के खिलाफ एक पत्र श्री राजीव कुमार जी

मुख्य चुनाव आयुक्त इलेक्शन कमिसन ऑफ़ इंडिया को लिखा. ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की 2024 के चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के जिला मजिस्ट्रेट / जिला निर्वाचन अधिकारियो द्वारा हमारे टूरिस्ट बस मालिकों की बसें जबरजस्ती इलेक्शन में इस्तेमाल करने के लिए नोटिस दिए जा रहें हैं. और सबसे बड़ी बात इन अधिकारियो द्वारा बसों के लिए कोई किराया भी नहीं दिया जा रहा हैं. संजय सम्राट ने कहा इस बारे में हमें काफी शिकायत मिली हैं की इस से पेहले भी उत्तर प्रदेश के जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारियो द्वारा टूरिस्ट बसों को 4 से 5 दिनों तक इस्तेमाल किया गया और 1 रूपया भी किराये का बस मालिकों को नहीं दिया. सिर्फ डीजल दिया गया.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना हैं की सभी बसों की किस्तें जाती हैं इन्शुरन्स के पैसे जाते हैं ड्राइवर को वेतन देना पड़ता हैं, टायर घिसते हैं. फिर हमें पैसा क्यों नहीं दिया जा रहा हैं??? संजय सम्राट का कहना हैं की इन सभी टूरिस्ट बसों के पेहले से ही टूर बुक होते हैं, इन बसों के टूर का पैसा पेहले से ही एडवांस बस मालिकों द्वारा ले लिया जाता हैं.

अगर देसी विदेशी टूरिस्ट को समय पर गाड़ियाँ नहीं दी तो इस से देश के पर्यटन उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा. विदेशी पर्यटको को टूर के लिए गाड़ियाँ नहीं दी तो देश की छवि भी धूमिल होंगी.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार से निवेदन किया हैं की उत्तर प्रदेश के जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारियो को निर्देश दिए की वो इलेक्शन में इस्तेमाल होने वाली सभी गाड़ियों के लिए टेंडर डाले और उनको उचित किराया दें. इस तरह जबरजस्ती बगैर पैसा दिए गाड़ियाँ लेना कहाँ का न्याय हैं? ये कौनसा चुनाव का पर्व भारत में मनाया जा रहा हैं. सम्राट ने मांग की हैं की जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारियो द्वारा भेजे गए इन आदेशों को तुरन्त निरस्त करावाया जाए. क्योंकि अगर हमारे टूरिस्ट बस मालिक इलेक्शन में फ्री में टूरिस्ट बसें नहीं देंगे तो ये टूरिस्ट बसों को ब्लैक लिस्ट कर देंगे.

इस से पेहले भी ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन ने पत्र लिख कर अपनी 10 साल पुरानी मांगो को सरकारों द्वारा ना माने जाने से नाराज होकर इलेक्शन का बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने का समय भी माँगा हैं.

अगर हमारी मांगे नहीं मानी गई तो हम 16 अप्रैल को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भारी प्रदर्शन करेंगे।

भुबनेश्वर मे हीट एंड रन ....

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वरः राजधानी में आज रात करीब 10 बजे एक और हिट एंड रन की घटना घटी । यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 पर वानीबिहार के पास सत्सोंगबिहार स्ट्रीट पर हुई। एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से टकरा गया और एक ही परिवार के 4 लोगों को टक्कर मार दी । मां, बेटी, पोता और पोती गंभीर रूप से घायल हैं।वे भिएसएस नगर के तारिनि बस्ती में रहते हैं और उनके नाम सेटमा (55), एस लिली पात्र (32), पीयूष (3) और प्रियंका (2) हैं। सभी गंभीर लोगों को पहले कैपिटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। सेटमा की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कटक मेडिकल सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया है।

उधर, हादसे को अंजाम देने के बाद ट्रक के परखच्चे उड़ गए। लेकिन रसूलगढ़ स्ट्रीट में इसे पकड़ लिया गया । शहीदनगर पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक वृद्ध महिला अपनी बेटी, पोते और पोती के साथ तरिनि बस्ती की ओर से आई और सत्संगबिहार के पास सड़क पार करने के लिए हाईवे के किनारे खड़ी हो गई। सड़क पार करने के बाद वे किसी भी लेन में बरमूडा बस स्टैंड पर चले जाते । वहां से वह ब्रह्मपुर जा रहा था । तभी खड़गिरी की ओर आ रहा यह तेज रफ्तार 22 पहिया ट्रक (OD 02 BZ 3813) सड़क के किनारे आ गया। ड्राइवर लापरवाही से गाड़ी चला रहा है।ट्रक चालक की ऐसी लापरवाही से गाड़ी चलाते देख बस का इंतजार कर रहे लोग चिल्लाने लगे और डरकर भाग गये । लेकिन अचानक सेतमा और उसका परिवार बिना कुछ समझे रुक गए । ट्रक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी । सेटमा, उसकी बेटी और छोटे बच्चे कुछ दूरी पर छिपे हुए थे। ट्रक बिना इंतज़ार किये तेजी से निकल गया। 2/3 बाइक सवारों ने ट्रक का पीछा किया । आसपास खड़े लोगों ने चारों घायलों को सड़क से उठाया और पुलिस को सूचना दी। शहीदनगर थाना पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से कैपिटल हॉस्पिटल भेजा । ट्रक का पीछा कर रहे युवकों ने रसूलगढ़ ओवरब्रिज पर ट्रक रोक लिया और पुलिस को पकड़ लिया।

सिखेड़ा गांव मे सीएम योगी करेंगे जनसभा, दो बजे पहुंचेंगे जनसभा स्थल; कड़ी रहेगी सुरक्षा

हापुड़। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गांव सिखेड़ा में जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा स्थल से करीब 300 मीटर की दूरी पर उनका हेलीपैड बनाया गया है, इसलिए वह हाईवे से कार के माध्यम से हेलीपैड पर जाएंगे। सीएम के कार्यक्रम को लेकर भाजपा पदाधिकारियों समेत पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने पूरी तैयारी कर ली है। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए है। लोकसभा चुनाव में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान किया जाएगा। सभी पार्टी के प्रत्याशी अपने अपने पक्ष में वोट मांग रहे है। इसी क्रम में मंगलवार को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के पक्ष में वोट मांगने के लिए दोपहर करीब दो बजे आ रहे है। जनसभा के दौरान वह करीब एक घंटे तक यहां रुकेंगे। सीएम की रैली को सफल बनाने के लिए लोगों को फोन से संपर्क करने के साथ-साथ घर-घर जाकर भी रैली में आने की अपील की जा रही है। वहीं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने भी तैयारी पूरी कर ली है।

किरायेदार को भी मिले अधिकार

अगर आप किराए के मकान में रहते हैं। तो आपको किरायेदार के रूप में कुछ महत्वपूर्ण अधिकार मिलते हैं। जिसे जानना बेहद जरूरी है. ताकि आपका मकान मालिक आपका शोषण न कर सके। तो आइए जानते हैं कि एक किरायेदार को कितने अधिकार मिलते हैं।

किराया नियंत्रण अधिनियम

1948 में, एक केंद्रीय किराया नियंत्रण अधिनियम पारित किया गया था जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि न तो मकान मालिक और न ही किरायेदार के अधिकारों का दूसरे द्वारा शोषण किया जा सके। यह अधिनियम अतिरिक्त रूप से संपत्ति को किराये पर देने के नियम भी बताता है। ध्यान रखें कि हर राज्य का अपना किराया नियंत्रण अधिनियम होता है। ये अंतर ज्यादा नहीं है.

मालिक अनुचित रूप से बाहर नहीं कर सकता

यदि आपने किराये पर एक कमरा लिया है और अचानक मकान मालिक आता है और आपको अनुचित तरीके से कमरे से बेदखल कर देता है, तो यह कानूनी रूप से गलत है। बिना किसी वाजिब कारण के बेदखल करना गलत है। लेकिन अगर आपने पिछले 2 महीने से किराया नहीं दिया है, उसकी संपत्ति पर व्यावसायिक या अवैध काम कर रहे हैं, या उसकी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं, तो वह आपको कमरे से बाहर निकाल सकता है। किरायेदार को घर से निकालने के लिए मकान मालिक को 15 दिन का नोटिस पीरियड देना होगा.

आवश्यक सेवाएँ

यदि आपने किराये पर कमरा लिया है, तो आपको अपने मकान मालिक से बिजली कनेक्शन, स्वच्छ पेयजल और पार्किंग जैसी सरल सुविधाओं के बारे में पूछना चाहिए। कोई भी मकान मालिक इन सब चीजों से इंकार नहीं कर सकता. अगर कोई यह सब चीजें देने से इनकार करता है तो संबंधित अधिकारी उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

किराया सीमा

मकान मालिक अपने किरायेदार से मनमाना किराया नहीं वसूल सकता। अगर कोई मकान मालिक अपने किरायेदार से किराया वसूलना चाहता है तो उसे किराया वसूलने से 3 महीने पहले नोटिस देना होगा. इसके अलावा मकान मालिक को मौजूदा बाजार दर का भी भुगतान करना होगा। संपत्ति का मूल्यह्रास जोड़कर किराया लेना चाहिए।

किरायेदारों के उत्तराधिकारी

यदि कोई किरायेदार अपने परिवार के साथ रहता है और किरायेदार की अचानक मृत्यु हो जाती है, तो मकान मालिक मृत किरायेदार के परिवार को बेदखल नहीं कर सकता है। मकान मालिक शेष अवधि के लिए घर में रहने के लिए एक नया समझौता कर सकता है।

रखरखाव और सुरक्षा जमा

कमरे के रखरखाव का खर्च मकान मालिक को स्वयं वहन करना पड़ता है। इसके अलावा घर के किराये में बिजली और पानी के शुल्क का भी जिक्र होता है. इसके अलावा मकान मालिक किरायेदार के पास सिक्योरिटी मनी भी जमा करता है, जिसे किरायेदार के घर छोड़ने के एक महीने बाद या पहले के बकाए में समायोजित करके भुगतान करना होता है। देना चाहिए।

निजता का अधिकार

एक बार मकान किराया समझौता हो जाने के बाद, मकान मालिक किरायेदार के कमरे में प्रवेश करके उसे परेशान नहीं कर सकता है, या सरल शब्दों में कहें तो मकान मालिक किरायेदार को किसी भी तरह से परेशान नहीं कर सकता है। अगर मकान मालिक किरायेदार के कमरे में जाना चाहता है तो उसे पहले इजाजत लेनी होगी.

एनसीआर की इस सीट पर पति-पत्नी आमने सामने लड़ेंगे चुनाव, भतीजा भी मैदान में...

एनसीआर में आने वाली इस सीट पर किसी उम्मीदवार के नाम वापस ना लेने के बाद अब 14 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला की स्थिति बनी है। सोमवार को सभी को चुनाव चिन्ह भी आवंटित किए गए हैं।

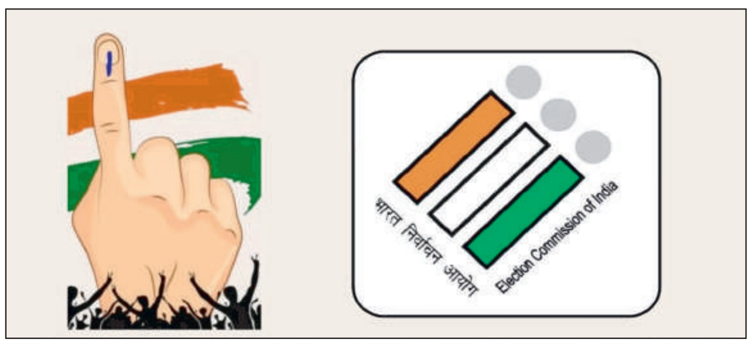

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बसपा उम्मीदवार के मुकाबले में उनकी पत्नी कविता और भतीजे अभिषेक भी चुनाव मैदान में है। सोमवार को नाम वापसी के अंतिम दिन भी नाम वापस ना लेने के बाद यह स्थिति स्पष्ट हुई है। किसी उम्मीदवार के नाम वापस ना लेने के बाद अब 14 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला की स्थिति बनी है। सोमवार को सभी को चुनाव चिन्ह भी आवंटित किए गए हैं।

चुनाव के लिए 35 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा था जिसमें से 21 उम्मीदवारों का पर्चा खारिज हो गया था। उसके बाद 14 प्रत्याशी मैदान में रह गए थे। सोमवार को भी किसी ने नाम वापस नहीं लिया इसलिए अब इन्हीं 14 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला होगा। अब बीजेपी के अतुल गर्ग, कांग्रेस से डॉली शर्मा, बसपा से नंद किशोर पुंडीर, राइट टू रिकॉल पार्टी पूजा सक्सेना, राष्ट्र निर्माण पार्टी आनंद कुमार, राष्ट्रीय जन कर्मठ पार्टी से अंशुल गुप्ता, सुभाष पार्टी धीरेंद्र सिंह भदौरिया, समाज विकास क्रांति पार्टी से नमह मैदान में हैं। इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशियों में औरंगजेब, कविता, रवि कुमार पांचाल, अवधेश कुमार,अभिषेक पुंडीर और नत्थू सिंह चुनाव लड़ेंगे।

सीरवी समाज लाडले सहेते लोकसभा उम्मीदवार पाली के पी पी चौधरी के लिए 36 कौम के सभी भाईयों से मतदान करने के अपिल

परिवहन विशेष न्यूज

तेलंगाना। हैदराबाद दक्षिण भारत समस्त सर्व समाज राजस्थानी से निवेदन है कि पाली लोकसभा क्षेत्र भाजपा प्रत्याशी पी पी चौधरी के पक्ष में मतदान करने की अपिल की सभी देशवासियों को हिन्दू नववर्ष की बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। सीरवी समाज करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर के पूर्व अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, पूर्व सचिव एवं गेर मण्डली संचालक हीरालाल सैणचा ने सभी समाज के भाई-बहन को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दी और सर्व समाज राजस्थानी को अपिल है नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर सपना साकार करें सभी देशवासियों के लिए मोदी के सनातन धर्म के लिए और सम्पूर्ण भारत के कल्याण के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी को वोट देने के लिए प्रेरित करें ओर एक बार फिर भारतवासी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारी बहुमत से साथ भारत के प्रधानमंत्री बनने का दृढ़ संकल्प पुरा करावे और विशेष सभी समाज के भाई पी पी चौधरी को भारी मतों से विजय बनाने में सहयोग प्रदान करावे और सभी 36 कौम को प्रेरित करें। सभी सर्व समाज को करमनघाट अलमासगुड़ा वडेर पूर्व अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, पूर्व सचिव हीरालाल सैणचा ने अपिल ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की प्रेरित करें सभी 36 कौम को हिन्दू नववर्ष पर शुभकामनाएं एवं कुशल मंगल कामनाएं दी।

आदिविश्वेश्वर , उच्चतम न्यायालय के आदेश पर फिर से हिन्दू भक्तो के लिए खुला

परिवहन विशेष न्यूज

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी ढांचे के नीचे एक तहखाना है। यह तहखाना सदैव हिन्दुओ के पास रहा है। इसके दक्षिण भाग में मंदिर है। सदैव से भक्तगण इस मंदिर में जाते रहे है और भगवान की पूजा अर्चना में भाग लेते हैं। **वर्ष 1993:** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सुरक्षा के नाम पर इस तहखाने को बंद कर दिया गया। इसके दरवाजे पर ताला जड़ दिया गया और इसके चारो ओर बैरिकेडिंग करवा दी गयी। कैसा दुर्भाग्य था कि भूतल पर मस्जिद में नमाज पढ़ी जाती रही पर उसी के तहखाना में ताले में बंद भगवान के विग्रह उपेक्षित धूल खाते रहे। **वर्ष 2023:** वाराणसी के सिविल जज के यहाँ एक मुकदमा दायर हुआ जिसमें यह प्रार्थना की गयी कि तहखाना में काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के द्वारा नियुक्त पुजारी के द्वारा भगवान की नियमित पूजा अर्चना की अनुमति दी जाये। शुक्रवार, **27 अक्टूबर 2023:** माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह मुकदमा जिला न्यायाधीश वाराणसी की अदालत में स्थानांतरित कर दिया। बुधवार, **31 जनवरी 2024:** जिला न्यायाधीश वाराणसी ने एक अंतरिम आदेश के द्वारा प्रशासन को आदेश दिया कि सभी बाधाएं दूर कर के तहखाने के मंदिर में पूजा शुरू कराई जाये।

प्रशासन ने आवश्यक फुर्ती से काम करते हुए उसी रात्रि में सब व्यवस्थाएं करके, सभी अवरोध हटा कर पूजा शुरू करवा दी। सोमवार, **26 फरवरी 2024:** अंजुमन इंतजामिया मस्जिद की कमेटी ने इस फैसले के खिलाफ इलाहबाद उच्च न्यायालय में याचिका दी। एक महीने से भी कम समय में यानी **26 फरवरी 2024** को उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनकर इंतजामिया कमेटी की याचिका को ख़ारिज कर दिया। सोमवार, **1 अप्रैल 2024:** इंतजामिया कमेटी दौड़कर सर्वोच्च न्यायालय गयी। सुनवाई हुई। सर्वोच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनकर कहा कि भूतल पर मुसलमान नमाज़ पढ़ते है तो तयखाने में हिन्दुओं की पूजा बंद क्यों करवानी चाहिए। मस्जिद का रास्ता उत्तर दिशा से है और तहखाने का दक्षिण से। दोनों समुदाय अपने-अपने स्थान पर अपनी धार्मिक रीति से पूजन करते है। सर्वोच्च न्यायालय ने नीचे की अदालतों के निर्णयों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

सारांशः आदि विश्वेश्वर के मूल स्थान पर उनकी व अन्य देवताओं की पूजा अबाध चलेगी। यह सत्य की जीत है, **धर्म की जीत है।**

योग के चमत्कार: 'महज 30 मिनट के योग से आनुवंशिक रोग की घट जाती है आशंका'; दिल्ली एम्स में हुए एक शोध का दावा

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित योग करने से दिमाग में न्यूरॉन की मात्रा बढ़ती है। साथ ही न्युरोप्लास्टिसिटी बढ़ता है। जो भावनात्मक लचीलापन को बढ़ता है।

नई दिल्ली। दिन में 25 से 30 मिनट योग करने से शुक्राणु की गुणवत्ता में सुधार आता है। साथ ही परिवार में होने वाले आनुवंशिक रोग की आशंकाएं घट जाती हैं। यह दावा है एम्स में हुए शोध का। इसे लेकर एम्स के एनाटॉमी विभाग में साल 2008 से अध्ययन किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित योग करने से दिमाग में न्यूरॉन की मात्रा बढ़ती है। साथ ही न्युरोप्लास्टिसिटी बढ़ता है। जो भावनात्मक लचीलापन को बढ़ता है। इसकी मदद से कई तरह के रोग होने की आशंका कम हो जाती है। साथ ही व्यक्ति में गंभीर और जटिल परिस्थिति को झेलने की क्षमता बढ़ जाती है। इसके अलावा शोध से पता चला है कि नियमित योग करने से काला मोतिया, गठिया, बांझपन, तनाव, नींद की कमी, पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), मोटापा सहित दूसरे रोग भी घटते हैं।

एम्स के एनाटॉमी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीमा दादा का कहना है कि डॉक्टरों की सलाह पर उपयुक्त योग करने से न केवल शुक्राणु के मात्रा में सुधार होता है। बल्कि उनके बच्चों में होने वाली आनुवंशिक रोग की आशंका भी कम हो सकती है। योग की मदद से दिमाग में ऐसे रसायन रिलीज होते हैं जो विकार को दूर करने में सहायक होते हैं। ये दिमाग में न्यूरोप्लास्टी, बीडीएनएफ मेलाटोनिन को बढ़ाता है। वहीं सामान्य लोग यदि नियमित योग करते हैं तो किसी भी तरह के दूसरे रोग होने की आशंका कम हो जाती है।

इन रोग में दिखा असर

- शुक्राणु में सुधार
- आनुवंशिक रोग
- महिलाओं में बांझपन
- काला मोतिया
- गठिया
- तनाव
- नींद की कमी
- पीसीओएस
- मोटापा

बच्चों में बढ़ रहा है तनाव

डॉ. दादा के अनुसार कोरोना महामारी के बाद से बच्चों और लोगों में तनाव का स्तर काफी बढ़ा है। अध्ययन के दौरान यह देखा गया कि पहले 60 से 70 साल की उम्र के लोगों में तनाव के जो लक्षण देखने को मिलते थे। वह अब स्कूल में जाने वाले छोटे बच्चों में भी हैं। खराब जीवन शैली के कारण बच्चों और युवाओं में उच्च रक्तचाप, मधुमेह व दूसरे रोग बढ़ रहे हैं। यह चिंता का विषय है।

बढ़ रहे हैं ऑटोइम्यून विकार

समय के साथ खराब हुए जीवन शैली के कारण ऑटोइम्यून विकार और मानसिक तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। इसमें शरीर अपने ही सामान्य कोशिकाओं पर हमला कर देता है। इसे रोकने के लिए जीवन शैली में सुधार करना आवश्यक है। खाने में नमक, शुगर, तला हुआ खाना, जंक फूड सहित दूसरे उत्पाद से दूरी बनानी चाहिए। अध्ययन से पता चला कि खराब जीवन शैली के कारण मधुमेह, तनाव, उच्च रक्तचाप सहित दूसरे रोग बढ़े हैं। नियमित रूप से योग करने पर इन सभी रोगों में बहुत लाभ होता है।

योग बच्चों में दूर करता है मानसिक रोग

मौजूदा समय में स्कूल जाने वाले बच्चों में मानसिक रोग बढ़े हुए मिल रहे हैं। ऐसे रोग को कम करने या खत्म करने में योग मददगार साबित हुए हुए हैं। इसके अलावा याद रखने की क्षमता बढ़ती है। डॉ. दादा ने कहा कि योग की मदद से दिमाग में हिप्पोकैम्पस का स्तर बढ़ता है जो स्मृति बढ़ाने में मददगार होता है।

नींद में कमी से हॉर्मोन होता है खराब

डॉ. दादा ने कहा कि नींद खराब होने से हॉर्मोन प्रभावित होते हैं। योग मेलेनिन और एंटी-ऑक्सीडेंट को बढ़ता है। योग करने से माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए, न्यूक्लियर डीएनए की गुणवत्ता में सुधार आता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023